Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 77 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, गुरुवार 24 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

नागरिक आदर्शवान और अनुशासित होना चाहिये, हमारा देश निश्चित विकास करेगा।

Our country would Certainly develop it our citizens submit the mselves to idealism and discipline.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अब कोई बाधा नहीं : सीएम साय

■ नगर निगम बीरगांव को बड़ी सौगात : 135 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। शहरों में आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण के साथ नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। हमारे प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, मानव संसाधन और अपार संभावनाओं का उपयोग कर हम सब मिलकर एक समृद्ध, सशक्त और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आज रायपुर जिले के नगर निगम बीरगांव में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर बीरगांव नगर निगम क्षेत्र को 135 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करने के साथ ही क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए लगभग 110 करोड़ रुपये के नवीन विकास कार्यों की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीरगांव तेजी से विकसित हो रहा शहरी क्षेत्र है। औद्योगिक गतिविधियों और बढ़ती आबादी के अनुरूप यहां सड़क, पेयजल, स्वच्छता, सीवरेज, खेल सुविधाओं और अन्य नागरिक अधोसंरचनाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में बीरगांव नगर निगम क्षेत्र को 160 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकार्पित और भूमिपूजन किए गए विकास कार्यों में नगर निगम से संबंधित 94 करोड़ रुपये से अधिक तथा लोक निर्माण विभाग के 38 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही नगरोत्थान योजना के अंतर्गत लगभग 16 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इन कार्यों के पूरा होने से बीरगांव और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, स्वच्छता, खेल अधोसंरचना सहित अनेक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

स्टेट कैपिटल रीजन से बीरगांव के विकास को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार रायपुर, दुर्ग-भिलाई और आसपास के क्षेत्रों को सम्मिलित करते हुए स्टेट कैपिटल रीजन विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसमें बीरगांव भी शामिल है। स्टेट कैपिटल रीजन के माध्यम से पूरे क्षेत्र के सुनियोजित, समन्वित और दीर्घकालीन विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। इसका लाभ आने वाले वर्षों में बीरगांव को भी मिलेगा और यहां आधुनिक शहरी अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं के विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि विकास का अर्थ केवल सड़क और भवन बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन को आसान बनाना भी है। इसी सोच के साथ सरकार सुशासन और ईज ऑफ लिविंग की दिशा में लगातार सुधार कर रही है। तकनीक के माध्यम से सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

एशियन गेम्स में 28 साल बाद भारत को वेटलिफ्टिंग मेडल

■ मीराबाई ने सिल्वर दिलाया, रोशिबिना वुशु के फाइनल में पहुंचीं

निशिन। भारत को एशियन गेम्स में 28 साल बाद वेटलिफ्टिंग का मेडल मिला है। यह मेडल मीराबाई चानू ने दिलाया है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने सिल्वर जीता था। इसके अलावा, रोशिबिना देवी महिला वुशु के 60 केजी के फाइनल में पहुंच गई हैं। बुधवार को मीराबाई महिलाओं की 49 केजी वेट कैटेगरी में 198 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नेच में 87 और क्लीन एंड जर्क में 111 केजी का वजन उठाया। 32 साल की मीराबाई ने एशियाई खेलों में पहली बार मेडल जीता है। वे ओलिंपिक गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसी बड़ी प्रतियोगितओं में मेडल जीत चुकी हैं। गेम्स के चौथे दिन भारत को चौथा मेडल मिला है। इनमें से 2 मेडल शॉटगन शूटिंग के स्कीट टीम इवेंट में आए। रायजा ढिल्लों, परिनाज धालीवाल और माहेश्वरी चौहान की महिला टीम 331 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। पुरुष इवेंट में अनंतजीत सिंह नारुका, मैराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल ने शूट-ऑफ में कजाकिस्तान को हराकर ब्रॉन्ज जीता।

स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश प्रभारी बनी

■ हरियाणा का भी प्रभार, सिद्धार्थ शंभू सह प्रभारी बनाए गए

■ गोमती को गुजरात, सौरभ को झारखंड की जिम्मेदारी

रायपुर (विश्व परिवार)। स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा की नई प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। उन्हें हरियाणा का भी प्रभार दिया गया है, जबकि सिद्धार्थ शंभु को सह प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। इससे पहले भाजपा की नई टीम में स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया था। संगठनात्मक राजनीति में उनकी सक्रिय भूमिका और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान को देखते हुए उन्हें महत्वपूर्ण राज्यों की जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा थी। सुनील बंसल को तेलंगाना और पश्चिम बंगाल, गजेंद्र पटेल को झारखंड और हरीश द्विवेदी को बिहार और कर्नाटक की जिम्मेदारी दी गई है। डी. पुरंदेश्वरी के बाद स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ बीजेपी की दूसरी महिला प्रदेश प्रभारी हैं। इसके अलावा भाजपा ने छत्तीसगढ़ के 2 नेताओं को दूसरे राज्यों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र से विधायक गोमती साय को गुजरात का सह-प्रभारी बनाया है। वहीं, अकलतरा के पूर्व विधायक सौरभ सिंह को झारखंड का सह-प्रभारी बनाया गया है।

स्मृति ईरानी को छग भाजपा प्रभारी बनने पर प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रदेश प्रभारी तथा राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शम्भू को सह प्रभारी नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। श्री देव ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय नेतृत्व का यह निर्णय छत्तीसगढ़ में संगठन को और अधिक सुदृढ़, सक्रिय तथा गतिशील बनाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि श्रीमती ईरानी एक प्रखर वक्ता, कुशल संगठनकर्ता और अत्यन्त अनुभवी नेत्री हैं। उनके संगठनात्मक कौशल, दीर्घ प्रशासनिक अनुभव एवं ऊर्जावान मार्गदर्शन का लाभ छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को मिलेगा। उनके नेतृत्व में प्रदेश में पार्टी का जनाधार और अधिक व्यापक होगा तथा संगठन नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। इसी प्रकार राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शम्भू को सह प्रभारी बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए श्री देव ने कहा कि उनका संगठनात्मक अनुभव और युवाओं के बीच कार्य करने की ऊर्जा छत्तीसगढ़ में पार्टी की कार्यप्रणाली को जमीनी स्तर पर

छत्तीसगढ़ में संगठन एवं जनसेवा के संकल्प को मिलेगी और मजबूती : मुख्यमंत्री साय

■ स्मृति ईरानी को प्रभारी और सिद्धार्थ शम्भू को छत्तीसगढ़ का सह-प्रभारी बनाए जाने पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है कि श्रीमती स्मृति ईरानी का दीर्घकालिक राष्ट्रीय अनुभव, राष्ट्रसेवा तथा संगठन के प्रति समर्पण निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ में संगठन और जनसेवा के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने श्री सिद्धार्थ शम्भू को छत्तीसगढ़ भाजपा के सह-प्रभारी का दायित्व मिलने पर भी बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनकी सक्रिय सहभागिता से प्रदेश में संगठनात्मक कार्यों को और गति मिलेगी। भाजपा की ओर से जारी नियुक्तियों में श्रीमती स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ का प्रभारी और श्री सिद्धार्थ शम्भू को सह-प्रभारी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्थलगांव विधायक एवं रायगढ़ की पूर्व सांसद श्रीमती गोमती साय को गुजरात भाजपा का सह-प्रभारी नियुक्त किए जाने पर भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। गुजरात में श्री तरुण चुघ को प्रदेश प्रभारी तथा श्री अजय महावर और श्रीमती गोमती साय को सह-प्रभारी का दायित्व दिया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0

एएचपी की दो परियोजनाओं में 100 आवासों की स्वीकृति

■ 5.56 करोड़ की लागत से बनेंगे गरीबों के लिए भागीदारी में किफायती आवास

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रायपुर नगर निगम में दो एएचपी परियोजनाओं (भागीदारी में किफायती आवास) में 100 आवासों के निर्माण की मंजूरी मिली है। भारत सरकार के प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 की केन्द्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (ष्टस्स्ष्ट) द्वारा इन आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 5 करोड़ 56 लाख रुपए है।

रायपुर में बांसटाल स्वीपर कॉलोनी स्लम के पुनर्वास के लिए दो करोड़ 11 लाख रुपए की लागत से 40 आवासों के निर्माण किए जाएंगे। योजना के तहत इसके लिए केंद्राश के रूप में प्रति आवास डेढ़ लाख रुपए के मान से 60 लाख रुपए और राज्यांश के रूप में प्रति आवास दो लाख 33 हजार रुपए के मान से 93 लाख रुपए मिलेंगे। इन आवासों के निर्माण के लिए हितग्राही अंशदान के रूप में प्रति आवास एक लाख 45 हजार रुपए के मान से 58 लाख रूपए एकत्र किए जाएंगे। अमलीडीह कमजोर आय वर्ग के लाभार्थियों के लिए तीन करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से 60 आवास बनाए जाएंगे।

एसआईआर विवाद : ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आज यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सियासी घमासान तेज हो गया है। दो चुनाव आयुक्तों की कथित आपत्तियों वाली रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमले और तेज कर दिए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर मुद्दा बताया, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। इसी बीच यूथ कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट में भी स्ङ्कक्र और चुनाव आयोग के भीतर कथित आपत्तियों को लेकर सवाल उठाए हैं।

केरल के नीलांबुर में द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए बेहद गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव नहीं होंगे तो लोकतंत्र कहां रहेगा। प्रियंका ने कहा कि अगर चुनाव किसी भी तरह अनुचित या प्रभावित होते हैं और चुनाव आयोग को इसकी जानकारी होने के बावजूद ऐसा होने दिया जाता है, तो यह लोकतंत्र पर गंभीर हमला है। उन्होंने इसे 'देशद्रोह बताया।

विवाद उस रिपोर्ट के बाद बढ़ा जिसमें दावा किया गया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार आयोग के कुछ फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में आपत्ति दर्ज कराई। रिपोर्ट के मुताबिक, इन आपत्तियों में फॉर्म 6 में बदलाव, मतदाता डेटा के केंद्रीकरण और मतदाता सूची से जुड़े कुछ फैसलों जैसे मुद्दे शामिल थे। हालांकि चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने इन दावों को अलग तरीके से पेश किया है।

इस रविवार को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक समेत सभी बैंक खुले रहेंगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि बैंक संघों के संयुक्त मंच द्वारा 28 से 30 सितंबर, 2026 तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग आवश्यकताओं की रक्षा के लिए विशेष कदम उठाए हैं। इस हड़ताल के साथ 26 और 27 सितंबर के पिछले सप्ताहांत की छुट्टियां भी जुड़ जाती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता की वास्तविक बैंकिंग आवश्यकताओं पर लंबे समय तक प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार, 27 सितंबर, 2026 को सामान्य रूप से कार्य करेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितम्बर, 2026 को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है।

गृह मंत्रालय ने 59 हजार से अधिक जन शिकायतों का निपटारा किया

■ लंबित मामलों को निपटाने के प्रयास तेज

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नवंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच 59 हजार से अधिक जन शिकायतों और अपीलों का निपटारा किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। गृह मंत्रालय ने बयान में कहा कि मंत्रालय ने लंबित मामलों को कम करने और कार्यस्थल का माहौल बेहतर बनाने की सरकार की पहल के तहत प्रशासनिक लंबित मामलों को निपटाने के प्रयास तेज किए हैं।

गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में 52,050 जन शिकायतों और 7,410 अपील का निपटारा किया गया। इसके अलावा सांसदों से मिले 299 संदर्भों, राज्य सरकारों से मिले 336 और प्रधानमंत्री कार्यालय से मिले सात संदर्भों का भी निपटारा किया गया। मंत्रालय ने ये आंकड़े ऐसे समय साझा किए हैं, जब वह प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा आयोजित विशेष अभियान-छह में भाग लेने की तैयारी कर रहा है। यह अभियान लंबित मामलों को कम करने, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार और सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

बयान में कहा गया कि अभियान का तैयारी चरण 15 सितंबर से 30 सितंबर तक चलेगा, जबकि इसका क्रियान्वयन दो अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में जनता से सीधे जुड़े क्षेत्रीय और दूरदराज के कार्यालयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गृह मंत्रालय में विशेष अभियान-छह का उद्देश्य सतत और पर्यावरण अनुकूल कार्यस्थल बनाना होगा तथा विभिन्न श्रेणियों के संदर्भों और लंबित मामले को दूर करना होगा। बयान में कहा गया कि मंत्रालय और उसके अधीनस्थ संगठनों ने 10 महीने की अवधि के दौरान 761 स्वच्छता अभियान चलाए।

'नया भारत उत्सव' में सांसद बृजमोहन अग्रवाल का 'जेन जी' से सीधा संवाद

■ युवाओं के सवालों के सहजता से दिए जवाब

रायपुर (विश्व परिवार)। मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में भव्य 'नया भारत उत्सव' एवं विशाल युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा के लोकप्रिय सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल रहे। सदैव जनता और युवाओं के बीच अपनी सहज और ओजस्वी उपस्थिति दर्ज कराने वाले श्री बृजमोहन अग्रवाल ने यहां पारंपरिक भाषण देने के बजाय आज की नई पीढ़ी यानी 'जेन जी' (त्वद्वठ्ठ) से खुला और सीधा संवाद स्थापित कर एक बार फिर सभी का दिल जीत लिया।

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 100 से अधिक कॉलेजों में आयोजित विभिन्न रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से इस पूरे अभियान में 50 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री अग्रवाल ने इन प्रतियोगिताओं के प्रतिभावान विजेता विद्यार्थियों को मंच से प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उवल भविष्य की कामना की।

सभागार में उपस्थित सैकड़ों उत्साही युवाओं को संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, युवाओं के मन में ढेरों जिज्ञासाएं होती हैं, और उन जिज्ञासाओं के सही व स्पष्ट उत्तर उन्हें मिलने ही चाहिए। इसीलिए मैंने पिछले दो-तीन सालों से युवाओं से सीधे संवाद का यह सिलसिला शुरू किया है। मैंने यह तय किया है कि मैं यहां कोई औपचारिक भाषण नहीं दूंगा, बल्कि हमारे युवाओं के मन में जो भी प्रश्न होंगे, मैं खुद आगे बढ़कर उनके जवाब दूंगा।

संवाद सत्र के दौरान युवाओं ने देश के विकास, राजनीति की दिशा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ह्वद्व) के प्रभाव से लेकर सांसद के व्यक्तिगत जीवन और अनुभवों तक पर बेबाकी से सवाल पूछे। श्री अग्रवाल ने हर सवाल का बेहद आत्मीयता, संजीदगी और मुस्कुराहट के साथ जवाब दिया।

उन्होंने आगे कहा, आज के बच्चों के मन में नित नई सोच और नए विचार होते हैं। आज के युवा क्या सोचते हैं, उनका विजन क्या है और वे व्यवस्था से क्या चाहते हैं—यह समझना हम सबके लिए बेहद जरूरी है। युवाओं से मिलकर ही हमें यह जानने का अवसर मिलता है कि सरकार को किस दिशा में सुझाव दिए जाएं, अपने काम करने के तौर-तरीकों में क्या सकारात्मक बदलाव किए जाएं और कार्यशैली को कैसे और अधिक जनहितैषी बनाया जाए। युवाओं की यही ऊर्जा हमें निरंतर बेहतर काम करने की प्रेरणा देती है।

स्पष्ट लक्ष्य, दृढ़ संकल्प और सतत परिश्रम से सफलता निश्चित : मूणत

■ नागार्जुन महाविद्यालय के दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर के दीक्षारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं, विशेषकर प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में श्री राजेश मूणत ने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर पूर्ण निष्ठा, लगन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में जो भी दायित्व मिले, उसका निर्वहन सकारात्मक सोच और समर्पण के साथ करना चाहिए। आज हमारी बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय देते हुए निरंतर आगे बढ़ रही हैं, जो समाज और देश के लिए गौरव का विषय है।

विधायक श्री मूणत ने कहा कि शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय रायपुर का गौरवशाली शैक्षणिक संस्थान है। यहां से अध्ययन पूर्ण कर निकले अनेक विद्यार्थियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता अर्जित की है। विद्यार्थियों की इस सफलता में महाविद्यालय के अनुभवी एवं विद्वान प्राध्यापकों का महत्वपूर्ण योगदान है।

श्री मूणत ने महाविद्यालय में चल रहे एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि परिसर में 7 करोड़ रुपए की लागत से ऑक्सी जोन का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

सहसपुर लोहारा (विश्व परिवार)। शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, राष्ट्रीय भावना, जन-भागीदारी तथा विकसित भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित सेवा संकल्प अभियान (17 सितंबर से 17 अक्टूबर) के अंतर्गत 'सेवा के 25 वर्ष - सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' कार्यक्रम के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम महाविद्यालय की संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य डॉ. श्रीमती के. एस. परिहार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता की विषय-वस्तु शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवा एवं सुशासन, नागरिक सहभागिता तथा विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित रही। विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, युवा सशक्तिकरण, डिजिटल भारत, स्वच्छ भारत एवं नवाचार जैसे विषयों को रंगोली के माध्यम से रचनात्मक एवं आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यार्थियों ने रंगोली निर्माण में प्राकृतिक रंगों, पत्तियों एवं फूलों का उपयोग किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों एवं प्राचार्य द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। वहीं सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कृष्ण कुमार वैष्णव, जिला उपाध्यक्ष भाजपा, श्री परेटन जी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा, श्री लाल साहू जी, मंडल अध्यक्ष भाजपा, श्रीमती सरिता संतोष मिश्रा, अध्यक्ष नगर पंचायत सहसपुर लोहारा, डॉ. हेमंत साहू, उपाध्यक्ष नगर पंचायत, श्री योगेश साहू, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति तथा श्री सोहन शिवोपासक, श्री सौरभ श्रीवास्तव, श्री फिरत पटेल , श्री हेमंत ठाकुर, श्री मनीराम छेदावी, श्री श्रवण दीक्षित, श्री रामखेलावन साहू, श्री शिवचरण पटेल, राम पटेल, मुकेश साहू सहित महाविद्यालय परिवार से डॉ. मोना बर्मन, श्री संदीप कुमार सोनकर, अंजू वर्मा एवं गिरधारी वर्मा सहित समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

पारागांव को मिली 70 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पारागांव में विकास कार्यों को नई गति देते हुए कुल 70 लाख रुपये के विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। इसके तहत ग्राम में 50 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन तथा 20 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कराया जाएगा।ग्राम पारागांव में विकास कार्यों की यह सौगात मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के 8 मार्च 2026 को ग्राम पारागांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय जी चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज रायपुर राज केंद्र महासमुंद के वार्षिक अधिवेशन-2026 के अवसर पर ग्राम पारागांव पहुंचे थे। इस दौरान ग्राम के विकास के लिए सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा सीसी रोड निर्माण हेतु 20 लाख रुपये, कुल 70 लाख रुपये की घोषणा की गई थी।सामुदायिक भवन निर्माण से ग्रामवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं सीसी रोड के निर्माण से आवागमन की सुविधा और बेहतर होगी तथा ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। दोनों विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्राम पारागांव में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और

ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए कैबिनेट मंत्री एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब जी द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के क्रम में ग्राम पारागांव के लिए यह महत्वपूर्ण स्वीकृति मिली है। गुरु खुशवंत साहेब जी आरंग विधानसभा क्षेत्र में सड़क, भवन, शिक्षा, सिंचाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर पहल कर रहे हैं।मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने ग्राम पारागांव के विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत होने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता गांवों में विकास की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। आरंग विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास का लाभ पहुंचे।

दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन के ताड़ोकी-रावघाट खंड तक रेल पटरी पहुंची

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत दल्लीराजहारा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना में भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। परियोजना के अंतिम खंड ताड़ोकी-रावघाट का कार्य पूरा हो गया है। यह सिंगल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉड गेज खंड है। इस खंड का सीआरएस निरीक्षण और गति परीक्षण कल किया गया।

नई रेल लाइन को चालू करने की दिशा में सीआरएस का निरीक्षण और गति परीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। निरीक्षण के दौरान रेल लाइन, पुलों और पुलियों, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग तथा अन्य सुरक्षा एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की जांच की गई। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रेल खंड की परिचालन क्षमता और सुरक्षा मानकों का भी परीक्षण किया गया।

17.5 किलोमीटर लंबा ताड़ोकी-रावघाट खंड 95 किलोमीटर लंबी दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना का हिस्सा है और दक्षिण छत्तीसगढ़ के एक दूरस्थ क्षेत्र में स्थित है। वर्तमान में दल्लीराजहरा से ताड़ोकी

तक रेल सेवाएं उपलब्ध हैं। ताड़ोकी-रावघाट खंड में रेल परिचालन शुरू होने से आसपास के क्षेत्रों में रेल संपर्क मजबूत होगा और क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं सुविधाजनक परिवहन विकल्प उपलब्ध होंगे।

यह रेल लाइन भिलाई इस्पात संयंत्र तक लौह अयस्क के परिवहन को सुगम बनाएगी, जिससे देश के इस्पात उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। यह रेल लाइन कृषि उत्पादों और स्थानीय वाणिज्यिक वस्तुओं के परिवहन में भी सहायक होगी तथा ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे इस क्षेत्र का राज्य की राजधानी रायपुर के साथ-साथ भिलाई से संपर्क भी काफी बेहतर होगा, जो राज्य का एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र है। इस प्रकार बेहतर रेल संपर्क से नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार से संबंधित अवसरों तक पहुंच बनाने में सुविधा होगी।

रेल परिवहन के विस्तार से इस क्षेत्र में पर्यटन, निवेश और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलेगी तथा क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान होगा।

ताड़ोकी-रावघाट खंड का निरीक्षण और गति परीक्षण दल्लीराजहरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना को चालू करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

गरीब व मध्यम परिवारों की दुश्मन बनी बीजेपी की साय सरकार :विकास उपाध्याय

रायपुर । पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने

आयुष्मान भारत योजना को लेकर केन्द्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार पर सवाल उठाया है कि क्या आपकी यह योजना पूर्णतया बंद कर दी गई है? उपाध्याय ने बताया कि लगातार छत्तीसगढ़ के निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना का लाभ मरीजों को, खासकर प्रदेश की माताओं और बहनों को आयुष्मान योजना अंतर्गत कुछ भी लाभ नहीं दिया जा रहा है या यूँ कहें कि अब आयुष्मान भारत योजना सिर्फ नाम ही रह गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आयुष्मान योजना अंतर्गत सिजेरियन डिलीवरी सहित कई सुविधाएँ योजना से बाहर कर दी गई हैं, यहाँ पर निजी अस्पतालों में महिलाओं को कई जरूरी गायनी इलाज का लाभ नहीं मिल रहा है एवं सिजेरियन, डिलीवरी, गर्भाशय ऑपरेशन, अंडाशय सर्जरी और सर्वाइकल कैंसर जाँच जैसी सुविधायें भी योजना से बाहर कर दी गई हैं। जिस कारण मरीजों को निजी अस्पताल में स्वयं का खर्च वहन करना पड़ रहा है ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35634/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 23-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35634
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222H00213** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. OM PRAKASH BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MADAN LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती भाविका टांक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री आशीष टांक** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35632/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 23-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35632
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR235D00296** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PAHLAJ WASWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GEDIMAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री नवीन टांटिया** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री गौरी शंकर टांटिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./35631/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 23-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35631
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR737B00249** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KAMTA PRASAD S/O MULCHAND SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री ललित साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री कामता प्रसाद साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /27797/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27797
वार्ड का नाम-1- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801F00049** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAGAT RAM BHARADWAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHYAMU RAM BHARDWAJ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMAR BHARDWAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. JAGATRAM BHARDWAJ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35583/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35583
वार्ड का नाम-1- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801N00754** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SWETA SUMAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANTU SAH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KARISHMA KUMARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUMIT KUMAR SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35548/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35548
वार्ड का नाम-1- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801N00123** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHUPINDER SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMAR SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJINDAR KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. GURPREET SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं हाउसिंग बोर्ड द्वारा नमंतरण आदेश** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल** द्वारा **कालोनी बोरियाकला, जिला- रायपुर, में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित फ्लैट क. एल.आई.जी -421 ब्लॉक-27 प्रथम तल श्री आनंद कुमार साय पिता श्री रामेश्वर साय निवासी:- ब्रम्ह रोड़ बसंत लाल मार्ग विवेकानंद वार्ड अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन **आदेश क्र. 5390 दिनांक 07.05.2014** के माध्यम से एकमुश्त आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 05.06.2014** को सेलडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 6609 दिनांक 07.06.2014** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्री आनंद कुमार साय पिता श्री रामेश्वर साय,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता **कल्पना यादव पिता श्री कमलनारायण यादव निवासी:- एल.आई.जी फ्लैट कंमाक-183 ब्लॉक-12 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरियाकला रायपुर, तह व जिला- रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा कालोनी बोरियाकला, जिला रायपुर,** में स्थित **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत** निर्मित फ्लैट **क्र. एल.आई.जी -279 ब्लॉक-18 प्रथम तल श्री हेमन्त सोनटक्के पिता श्री नंदकिशोर सोनटक्के निवासी: क्वार्टर नं. जे 70, हर्षवर्धन नगर माता मंदिर के पास भोपाल हुजुर (म.प्र.)** के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन आदेश क्र. 11575 **दिनांक 26.11.2009** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 16.02.2012** को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 14602 दिनांक 14.12.2025** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्री हेमन्त सोनटक्के पिता श्री नंदकिशोर सोनटक्के** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता **श्री खिलावन साहू पिता श्री पुना राम साहू निवासी:- वार्ड नं.-01, गणेश चौक भिरई खास पलारी बालोद गुरूर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /35436/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35436
वार्ड का नाम-9- पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226R0342A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **REKHA BAI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DINU SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राधिका** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ठानेश्वर प्रसाद साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मलमा बिक्रीनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35551/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35551
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568G00383** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KRISHNAKANT RAMAVTARA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMAVTAR TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANMOHAN SINGH GABA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI HARPREET SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35588/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35588
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568A00277** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DILIP KUMAR BISEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURAJ LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. BHARTI BISEN W/O LT. DILIP BISEN AND KU. SHRISHTI BISEN AND SIMRAN BISEN D/O LT. DILIP BISEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35621/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 23-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35621
वार्ड का नाम-36- तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D00287** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAXMINARAYAN, SUMEET KOTHARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNDER DAS, KISHAN DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VINAY KUMAR KOTHARI, SUMEET KOTHARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI SUNDER DAS KOTHARI , SHRI KISHAN DAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, छ.ग. राजपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35416/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35416
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568I0002F** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. BANKINM SHUKLA S/O LATE PREM 2. PRAVIN SHUKLA 3. SHEELA MISHRA 4 SUNITA TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAVIN SHUKLA AND BANKIM SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE PREMNARYAN SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35553/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35553
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819B00259** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LALLAN PRASAD VISHWAKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMLAL VISHWAKARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRAJJWAL VISHWAKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI KAMLESH VISHWAKARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **दान विलेख ई-स्टाम्प** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व- साधारण को सूचित किया जाता है कि, **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल** द्वारा **सड्डू** रायपुर में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **एल.आई.जी. भवन क्रमांक- 1329 (ए), को श्री विप्लव सरकार पिता श्री अनिल कृष्ण सरकार,** के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण **आदेश क्रमांक 113 दिनांक 26.06.2013** के द्वारा नामांतरित किया गया है। नामांतरी द्वारा विक्रय विलेख **दिनांक 20.03.2013** को पंजीयन कार्यालय से विक्रय विलेख निष्पादित करा लिया गया है।

वर्तमान में नामांतरी **श्री विप्लव सरकार पिता श्री अनिल कृष्ण सरकार, निवासी:- एफआईजी-37. सेक्टर-08, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सड्डू रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती अंजली सिंह पति श्री अनूप कुमार सिंह, निवासी:- ग्राम डाढ़ा खुर्द डाढ़ा कला गोवा (मध्यप्रदेश)** पिन नं- 486220 को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना विक्रय इकरारनामा, विक्रय विलेख, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, गुरूवार 24 सितंबर 2026

नगर पंचायत बिश्रामपुर बस स्टैंड का शॉपिंग कम्पलेक्स हुआ जर्जर दुकानदारों ने मरम्मत करने सीएमओ से मांगा अनुमति

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-बिश्रामपुर नगर पंचायत का बस स्टैण्ड स्थित दुकानों में वर्षो से सीपेज की समस्या से पुरे दुकानदार जूझ रहे हैं दुकानों में पड़ा सामान खराब हो रहा है तो वही नियमित छत से पानी टपकने और दुकान के पीछे जल्द जमा जल जमाव होने दुकान की दिवाली एवं छत गिरने की संभावना दुकानदारों ने शंका व्यक्त करते हुए नगर पंचायत के सीएमओ वशिष्ठ ओझा को ज्ञापन सौंप कर स्वयं की राशि से मरम्मत करने की अनुमति मांगी है।

नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वशिष्ठ ओझा एवं मूल नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव को ज्ञापन सौंप का अपनी परेशानियां बताते हुए उल्लेख किया है कि पूरे बरसात के समय छत से पानी टपकता है और दुकान में रखा समान एवं फर्नीचर खराब होता है जिससे हम दुकानदार को आर्थिक एवं मानसिक परेशानी होती है और नगर नंचायत द्वारा बस स्टैण्ड स्थित दुकानों के सामने बारिश का पानी जमा हो रहा है जिसको निकासी सही जगह से नहीं होने के कारण ग्राहक को दुकान में आने जाने से परेशानी होती है। पानी भरने के कारण ग्राहक दुकान में नहीं आते है जिससे व्यवसाय प्रभावित हो रही है। नगर पंचायत को इसकी जानकारी पूर्व में भी कई बार दी गई थी परन्तु अभी तक इस और ध्यान नही दिया जा रहा है मरम्मत नहीं होने के कारण दुकान अपने निर्माण के कुछ समय बाद से ही जर्जर धीरे-धीरे हो रही थी जो अब बड़ा रूप ले लिया है ।

दुकान के ऊपर शेड डालें या दुकानदारों को अपने खर्चे पर शेड लगाने की दे अनुमति- दुकानदारों ने सीएमओ से आगरा किया है कि या तो नगर पंचायत खुद अपने खर्चे से छठ के ऊपर टीना का सीट लगे या दुकानदारों को अपने खर्चे पर लगाने का अनुमति प्रदान करें।छत के ऊपर शेड़ लगानेकी हमें अनुमति प्रदान की जाए।

दुकानदारों ने यह भी उल्लेख किया है कि जबतक समस्या का निराकरण नहीं होगा तब हम किराया नहीं देगें हमारे समस्या का निदान किया जाए समस्या का निराकरण होने के पश्चात हम किराया देने के लिए तैयार है इससे पहले भी हम इसकी सूचना नगर पंचायत में कई बार 2021 से आवेदन देते आ रहे है। शेड डालने से दुकान के अंदर पानी नही जाएगा, इस समस्या को पहले भी आवेदन के माध्यम से सूचना दी जा चुकी है। जनवरी में दुकानदारां और नगर पंचायत से यह बात हुई थी कि आप 15000 हजार रूपये किराया जमा कर दिजिए और हम छत का मरम्मत और शेड डलवा देगें और आज तक यह कार्य नही हुआ ना शेड डला ना ही मरम्मत हुआ और हमें प्रताड़ित किया जा रहा है कि आप किराया जमा करों हम पहले भी कई आवेदनों में कह चुके है कि हम किराया देने को तैयार है। छत का मरम्मत और शेड डलवाया जाए। नव पदार्थ सीएमओ वाश ईस्ट ओझा वशिष्ठ ओझा ने दुकानदारों का शासन दिया कि पार्षदो से चर्चा एवं परिषद की बैठक में जो निर्णय होगा वैसा उचित कदम उठाया जाएगा।

वेदांता पावर की आरोग्य परियोजना के अंतर्गत नेत्र शिविरों से लगभग 600 नागरिक लाभान्वित

सिंघीतराई, सक्ती, 23 सितंबर। वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट (व्हीपीएसटीपीपी) ने अपने सामुदायिक विकास कार्यक्रम की 'आरोग्य परियोजना' के अंतर्गत तीन ग्राम पंचायतों के चार गांवों में विशेष नेत्र शिविरों का आयोजन किया। ग्राम सिंघीतराई, ओड़ेकेरा, निमोही और बेनीपाली में आयोजित शिविरों से लगभग 600 नागरिक लाभान्वित हुए। शिविर आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों को विभिन्न नेत्र रोगों के प्रति जागरूक बनाना, निःशुल्क चिकित्सा एवं चश्मों तथा दवाइयों का वितरण करना था।

स्वयंसेवी संगठन पीएचडी रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित शिविरों में नेत्र विशेषज्ञ एवं नेत्र जांच पैरामेडिकल स्टाफ ने सेवाएं दीं। प्रतिदिन पूर्व निर्धारित स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए जहां पंजीकृत मरीजों की जांच विज़न चार्ट और ऑटो रिफ्रैक्टोमीटर के जरिए की गई। इसके साथ ही मोतियाबिंद, टेराइजियम, रिफ्रैक्टिव दोष के साथ अन्य नेत्र संबंधी तकलीफें की जांच कर मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई। दृष्टि दोष ठीक करने के लिए लगभग 500 ग्रामीणों को चश्में वितरित किए गए। इसके अलावा अनेक जरूरतमंद मरीजों को आगे की जांच और बेहतर उपचार के लिए सक्ती जिला अस्पताल रेफर किया गया।

वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट की परियोजना आरोग्य के अंतर्गत तीन ग्राम पंचायतों में चलित स्वास्थ्य इकाई का संचालन किया जा रहा है। इसमें एमबीबीएस डॉक्टर के साथ अन्य प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी सेवाएं दे रहे हैं। प्रतिदिन पूर्व निर्धारित स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं जहां जरूरतमंदों को निःशुल्क परामर्श और चिकित्सा सुविधाएं दी जाती हैं। मुधमेह, उच्च रक्तचाप, खून की कमी सहित अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की सुविधा इकाई में मौजूद हैं। सामान्य बीमारियों के लिए दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध हैं। इसके अलावा समय-समय पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए नागरिकों को महिला एवं शिशु स्वास्थ्य संरक्षण, स्तनपान, पोषाहार एवं स्वच्छता के महत्व, जल जनित बीमारियों से बचाव के तरीकों आदि से परिचित कराया जाता है।

सूरजपुर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने पुलिस थाना झिलमिली का रात में किया औचक निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने देर रात थाना झिलमिली का किया औचक निरीक्षण। रात्रि गश्त, पुलिस जवानों की समस्याओं एवं थाना अभिलेखों की बारीकी से अवलोकन कर दिये सुधार के निर्देश। उत्कृष्ट कार्य करने पुलिसकर्मियों को किया प्रोत्साहित।

सूरजपुर। जिले में कानून-व्यवस्था एवं पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने दिनांक 21 सितम्बर 2026 की रात्रि थाना झिलमिली का औचक निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक अचानक थाना पहुंचकर थाना परिसर एवं पुलिसिंग से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों एवं जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए साथ ही थाना प्रभारी को क्षेत्र में सतत निगरानी, प्रभावी रात्रि गश्त एवं अपराध नियंत्रण की दिशा में लगातार सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिए।

औचक निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने जवानों से क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, अपराधियों का रिकॉर्ड, घटनाओं का सटीक समय और विवरण सहित महत्वपूर्ण जानकारियों को नोट करने ''ए'' एवं ''बी'' नोटबुक चेक किया। जवानों से सीधे संवाद कर उनकी गुजारिशों एवं समस्याओं को सुना तथा आवश्यकतानुसार उनके निराकरण के संबंध में आश्वस्त किया। उन्होंने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, अनुशासन एवं सजगता के साथ निर्वहन करने के लिए सभी को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता और संवेदनशील कार्यप्रणाली से आमजन में सुरक्षा का विश्वास मजबूत होता है।

थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त व्यवस्था का विस्तृत ब्यौरा लिया। गश्त में तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी, क्षेत्र में भ्रमण, संवेदनशील स्थानों की निगरानी तथा दिन व रात्रि के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रात्रि गश्त को प्रभावी एवं सतर्क तरीके से संचालित किया जाए, ताकि असामाजिक तत्वों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना के समस्त पंजियों एवं रोजनामचा का बारीकी से अवलोकन कर सीसीटीएनएस कार्य और उसमें नियमित एंट्री को चेक किया, निगरानी गुण्डा बदमाशों की चेकिंग, थाना में संधारित विभिन्न अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों, रिकॉर्ड संधारण की स्थिति की जानकारी ली।

इस दौरान थाना प्रभारी झिलमिली उप निरीक्षक सरफराज फिरदौसी सहित थाना के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

अपहृत बालक को मुम्बई महाराष्ट्र से सूरजपुर पुलिस व सीडब्ल्यूसी की टीम ने सुरक्षित लाया वापस

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-चौकी बसदेई क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका 9 वर्षीय बालक दिनांक 15.09.2026 को घर से पिताजी के पास जा रहा हूँ बोलकर निकला जो वापस घर नहीं आया, काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला। बालक को कोई व्यक्ति बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने की रिपोर्ट पर धारा 137(3) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने अपहृत बालक की हरसंभव पतासाजी कर जल्द दस्तयाब करने के निर्देश दिए। विवेचना के दौरान चौकी बसदेई पुलिस ने बालक की गहन पतासाजी प्रारंभ किया इसी बीच अपहृत बालक को कल्याण मुम्बई में होने की जानकारी मिली। जिसके बाद विधिवत् पुलिस व सीडब्ल्यूसी की टीम मुम्बई के लिए रवाना हुई और उल्हासनगर के बाल कल्याण समिति महाराष्ट्र से बालक को अपने संरक्षण में प्राप्त कर सकुशल वापस बसदेई लाया गया। बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जहां काउंसलिंग के उपरान्त उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनार्ड कुजूर के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी बसदेई रघुवंश सिंह, प्रधान आरक्षक शिवकुमार सारथी, आरक्षक विकास पटेल व सीडब्ल्यूसी के 2 सदस्य सक्रिय रहे। पूछताछ पर बालक ने बताया कि पढाई व स्कूल जाने से बचने के लिए 2-3 ट्रेन में सफर करते हुए मुम्बई पहुंच गया था।

छत्तीसगढ़ में सरकारी कृषि पहलों के माध्यम से अल्ट्राटेक ने 300 से अधिक किसानों को किया लाभान्वित

रायपुर। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की छत्तीसगढ़ स्थित इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट हिरमी सीमेंट वर्क्स ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के 300 से अधिक लघु एवं सीमांत किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने में सहयोग प्रदान किया है। इससे किसानों की कृषि उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति उनकी क्षमता मजबूत करने में मदद मिली है। वर्ष 2023 से अल्ट्राटेक ने हिरमी सीमेंट वर्क्स के आसपास स्थित 10 गांवों के किसानों को सहयोग प्रदान किया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिसे प्रोजेक्ट बिहान के नाम से जाना जाता है, के क्रियान्वयन में सहयोग किया गया। यूनिट ने जिला कृषि विभाग और शासकीय कृषि महाविद्यालय, भाटापारा के सहयोग से 320 किसानों के साथ सीधे जुड़कर ट्रेनिंग, अवेयरनेस प्रोग्राम्स और कपैसिटी बिल्डिंग इनिशिएटिव आयोजित कीं। इनमें किसान प्रशिक्षण सत्र, मॉडल फार्म के भ्रमण, उच्च गुणवत्ता वाले बीज और कृषि उपकरणों का वितरण तथा फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देना शामिल था। इसके बाद इन किसानों ने बेहतर कृषि पद्धतियों और सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी 350 अन्य किसानों के साथ साझा की, जिससे स्थानीय समुदाय में इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिला। अल्ट्राटेक यूनिट ने पात्र किसानों को प्रोजेक्ट बिहान से जोड़ने में भी सहयोग किया। इसके तहत स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली, पानी उठाने वाले पंप, गुणवत्तापूर्ण बीज, कृषि मशीनीकरण उपकरण और आधुनिक कृषि पद्धतियों के प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया गया। लगभग 100 किसानों को सब्सिडी वाले स्प्रिंकलर सिस्टम का लाभ दिलाने के लिए यूनिट ने लाभार्थियों के हिस्से की लागत में 50 प्रतिशत तक का सह-वित्तपोषण किया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंपापुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयुर्वेद जागरूकता अभियान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस अवसर पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ अबुल फैज के निर्देश पर आज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पम्पापुर में एक दिवसीय वृहत स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के प्रति अलख जगाना और लोगों को एक छत के नीचे निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना था।

शिविर का शुभारंभ पम्पापुर सरपंच जलजीत सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ संतोष यादव द्वारा भगवान धन्वंतरी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेद डॉक्टरों की विशेष टीम द्वारा मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर, मौसमी बीमारियों और वात-पित्त-कफ दोष के आधार पर सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर मरीजों को गंभीर व पुरानी बीमारियों (जैसे जोड़ों का दर्द, गैस-अम्लता, और त्वचा रोग) के लिए विशिष्ट आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी दी और खान-पान में बदलाव के सुझाव दिया, शिविर में पंजीकृत मरीजों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां और काढ़ा वितरित किया गया। डॉक्टर प्रीति जायसवाल और डॉ रितु नेताम ने ग्रामीणों को कहा कि हमारे घर की रसोई और आस-पास मौजूद पेड़-पौधे औषधियों का भंडार हैं। दैनिक जीवन में गिलोय, तुलसी, एलोवेरा, अश्वगंधा और आंवला जैसी जड़ी-बूटियों के उपयोग से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। लोगों को दिनचर्या सुधारने और नियमित योग सत्र अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। शिविर में डॉ प्रज्वल सिंह, डॉ साक्षी गुप्ता, संस्था प्रभारी राधे श्याम राजवाड़े, एलएचव्ही सत्यभामा शर्मा, लैब टेक्निशियन श्रीति ओझा, श्वेता सिंह, स्टाफ नर्स सृष्टि लकड़ा, प्रमिला सिंह, कुंती सिंह, एमपीडब्ल्यू राजकुमार, पीएडीए गुलाब सिंह, आयुष्मान मित्र तुलेश्वर, फुलकुंवर समेत अधिकारी कर्मचारी और ग्रामीण जन मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविरः सुरजपुर कलेक्टर रेना जमील के निर्देश और सीएमएचओ डॉ प्रशांत सिंह प्रतापपुर बीएमओ अजीत दीवान बीपीएम सतीश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पम्पापुर और धरमपुर में स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में आए मरीजों का जांच और उपचार उपरांत निःशुल्क दवा और चिकित्सकीय परामर्श दिया गया, इस दौरान लोगो को शासन द्वारा चलाए जा रहे आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, टीबी और कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम समेत अन्य स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी लोगो को देकर, योजनाओं का लाभ उठाने का अपील किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर मेडिकल ऑफिसर नीरज दास सेक्टर सुपरवाइजर सज्जू सिंह, संगीता गुप्ता समेत स्वास्थ्य कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक. 2338/NIT-31/2026-27/व.ले.लि. नवा रायपुर दिनांक 21/09/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नालिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
31 T0103	Submersible pump maintenance work under the head of Circuit house/ Rest house at Dist Gariyaband प्रथम आमंत्रण	2.50/-
31 T0104	Electrification to Ordinary maintenance work at Govt, Residential Buildings under the head of Ordinary maintenance of Govt. Residential Buildings at Dist Gariyaband प्रथम आमंत्रण	5.00/-
31 T0105	Submersible pump maintenance work of ELECTRICAL ITEMS LIKE COOLER, INVERTOR/UPS, BATTERY GYSER, T.V, TATASKY, REFRIGERATORS, WATER PURIFIER, LED SIGN BOARD under the head of Circuit house/Rest house at Dist Gariyaband प्रथम आमंत्रण	5.00/
31 T0106	Submersible Pump maintenance work at Govt Non Residential Buildings under the head of Ordinary maintenance at Dist Gariyaband प्रथम आमंत्रण	1.50
31 T0107	Electrification to Ordinary maintenance work of circuit house (NRB) under Dist Mahasamund CG प्रथम आमंत्रण	3.30
31 T0108	Electrification to Ordinary maintenance work of judicial Administrative office (NRB) under District Mahasamund CG प्रथम आमंत्रण	5.00
31 T0109	Electrification to Ordinary maintenance work of PWD Administrative office (NRB) under District Mahasamund प्रथम आमंत्रण	2.72
31 T0110	Electrification to Ordinary maintenance work of Judicial Administrative Residential building under District Mahasamund प्रथम आमंत्रण	4.50

नोट :- निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 05/10/2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक है। निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है ।

शर्तें :- 1) उपरोक्त कार्यों के आबंटन प्राप्त होने पर ही नियामानुसार भुगतान की कार्यवाही की जावेगी 136

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग
नवा रायपुर छ.ग.

जी- 262703438/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक. 2327/NIT-29/2026-27/व.ले.लि. नवा रायपुर दिनांक 18/09/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नालिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
29 T0095	Annual Maintenance and repairing work to Air conditioners installed at Minister Bungalows No M-1 and M-2 Sector 24 Nava Raipur प्रथम आमंत्रण	8.80
29 T0096	Annual Maintenance and repairing work to Air Conditioners installed at Minister Bungalows no M-3 and M-4 Sector 24, Nava Raipur प्रथम आमंत्रण	8.80
29 T0097	Annual Maintenance and repairing work to Air conditioners installed at Minister Bungalows No M-7 and M-8 Sector 24, Nava Raipur प्रथम आमंत्रण	8.83
29 T0098	Annual Maintenance and repairing work to Air Conditioners installed at Minister Bungalows No M-9 and M-10 Sector 24, Nava Raipur प्रथम आमंत्रण	8.80
29 T0099	Annual Maintenance and repairing work to Air Conditioners installed at Administrative office building Administration Academy Nimora प्रथम आमंत्रण	8.49
29 T0100	Annual Maintenance and repairing work to Air Conditioners Installed at New Hostel, old Hostel and Sankay Sadan in Administration Academy Nimora प्रथम आमंत्रण	9.30
29 T0101	Annual Maintenance and repairing work to Air Conditioners installed at 40 no Senior IAS bungalow Sector 18 Nava Raipur प्रथम आमंत्रण	2.24

नोट :- निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 01/10/2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक है। निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है । इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है ।

शर्तें :-- 1) उपरोक्त कार्यों के आबंटन प्राप्त होने पर ही नियामानुसार भुगतान की कार्यवाही की जावेगी ।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग
नवा रायपुर छ.ग.

जी- 262703409/8

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 24 सितंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

समान नागरिक संहिता से सबको मिले न्याय

हरबंश दीक्षित

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा-एनडीए शासित सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की बात कही है। चूंकि उत्तराखंड में 27 जनवरी, 2025 को इसे लागू किया जा चुका है, अत: उसका अनुभव हमारे सामने है। इसके आधार पर इस बहस को सैद्धांतिक विमर्श से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर चर्चा करने में सुविधा होगी। यूसीसी का मूल उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, वसीयत और लिव-इन संबंधों जैसे नागरिक मामलों में एक समान कानूनी व्यवस्था लागू करना है। अलग-अलग 'पर्सनल लॉ' के कारण समान परिस्थितियों में भिन्न-भिन्न कानूनी परिणाम सामने आ सकते हैं। यूसीसी का विचार ऐसी असमानताओं को कम करके कानून के समक्ष नागरिकों की समानता को सुदृढ़ करना है। यूसीसी का संबंध नागरिक अधिकारों और दायित्वों से है; इसका उद्देश्य किसी की धार्मिक आस्था, पूजा-पद्धति या आध्यात्मिक विश्वास को नियंत्रित करना नहीं होना चाहिए। संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य को नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करने का निर्देश देता है। इसके साथ ही संविधान के अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता, अनुच्छेद 15 भेदभाव के निषेध और अनुच्छेद 21 जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा का आधार प्रदान करते हैं, जबकि अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम (1985) और सरला मुद्गल बनाम भारत संघ (1995) सहित कई मामलों में अनुच्छेद 44 के महत्व व व्यक्तिगत कानूनों में सुधार के प्रश्न पर विचार किया है और उसे लागू करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उत्तराखंड में लागू सामान नागरिक कानून की एक बड़ी विशेषता यह है कि विशिष्ट सामाजिक परंपराओं वाले व्यक्ति समूहों की भावनाओं को सम्मान देते हुए उन्हें इस कानून से बाहर रखा गया है। इस आधार पर संविधान के अनुच्छेद 366(25) और अनुच्छेद 342 के अंतर्गत अधिसूचित अनुसूचित जनजातियों पर यह संहिता लागू नहीं होती।इस आधार पर संविधान के अनुच्छेद 366(25) और अनुच्छेद 342 के अंतर्गत अधिसूचित अनुसूचित जनजातियों पर यह संहिता लागू नहीं होती। इसके अलावा, संविधान के भाग 21 के अंतर्गत संरक्षित कुछ पारंपरिक अधिकारों और व्यवस्थाओं को भी संरक्षित किया गया है। यह छूट भारत की सांविधानिक संरचना की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। देश के अनेक जनजातीय समुदायों की अपनी विशिष्ट सामाजिक परंपराएं, विवाह संबंधी रीति-रिवाज, उत्तराधिकार व्यवस्थाएं और सामुदायिक संस्थाएं हैं। इसके जरिये बेटियों को संपत्ति में बराबरी का हक भी सुनिश्चित हो सकेगा। समान नियम से नागरिकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रक्रिया को समझना और लागू करना अपेक्षाकृत सरल होगा। डिजिटल आवेदन, ऑनलाइन प्रमाणपत्र और रिकॉर्ड की उपलब्धता सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर कम कर सकती है।

छूट भारत की सांविधानिक संरचना की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। देश के अनेक जनजातीय समुदायों की अपनी विशिष्ट सामाजिक परंपराएं, विवाह संबंधी रीति-रिवाज, उत्तराधिकार व्यवस्थाएं और सामुदायिक संस्थाएं हैं। संविधान इन समुदायों की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करता है। इसलिए समानता का अर्थ हर समुदाय पर बिना भेद के एक ही व्यवस्था थोपना नहीं, बल्कि सांविधानिक संरक्षण के साथ न्यायपूर्ण व्यवस्था विकसित करना है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि कानून से छूट का आधार धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जनजातीय स्थिति और सांविधानिक संरक्षण है। यूसीसी का एक प्रमुख संभावित लाभ महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा है। विवाह और तलाक के मामलों में समान कानूनी आधार, तय प्रक्रिया और दोनों पक्षों के अधिकारों की स्पष्टता महिलाओं को अधिक वैधानिक सुरक्षा प्रदान कर सकती है। विवाह संबंध समाप्त करने की प्रक्रिया को स्पष्ट एवं विधि-सम्मत बनाना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इससे किसी एक पक्ष द्वारा मनमाने निर्णय, अधिकारों के हनन या कानूनी अनिश्चितता की स्थिति कम हो सकती है। विवाह का व्यवस्थित पंजीकरण नागरिक अधिकारों की सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है। आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध होने से किसी महिला या पुरुष को अपने वैवाहिक संबंध को प्रमाणित करने में कठिनाई नहीं होगी। विवाह प्रमाणपत्र भरण-पोषण, तलाक, उत्तराधिकार, बीमा तथा बच्चों से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण दस्तावेज का काम करता है। पंजीकरण की व्यवस्था विवाह संबंधी धोखाधड़ी और वैवाहिक स्थिति को लेकर उत्पन्न विवादों को कम करने में सहायक हो सकती है। उत्तराखंड के कानून में डिजिटल पोर्टल और ऑनलाइन सेवाओं पर भी विशेष बल दिया गया है, जो इसे एक विश्वसनीय ढांचा प्रदान करता है। आधुनिक समाज में लिव-इन संबंधों की वास्तविकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे संबंधों को कानूनी ढांचे में लाने का उद्देश्य संबंधित पक्षों और उनसे जन्म लेने वाले बच्चों के अधिकारों को स्पष्ट करना है। किसी बच्चे के अधिकार सिर्फ माता-पिता की वैवाहिक स्थिति पर निर्भर नहीं होने चाहिए। लिव-इन संबंधों का पंजीकरण, उनकी समाप्ति और उनसे जुड़े दायित्वों की स्पष्टता भरण-पोषण, पहचान तथा उत्तराधिकार जैसे विषयों में कानूनी निश्चितता प्रदान कर सकती है। भारतीय परिवारों में संपत्ति-विवाद का एक बड़ा कारण उत्तराधिकार और वसीयत को लेकर अस्पष्टता होती है। वसीयत के उचित दस्तावेजीकरण, पहचान, गवाहों और पंजीकरण की स्पष्ट व्यवस्था से विवादों एवं धोखाधड़ी की आशंका कम की जा सकती है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य संपत्ति के हस्तांतरण को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। इससे उत्तराधिकारियों के अधिकार स्पष्ट हो सकते हैं और न्यायालयों में लंबे समय तक चलने वाले विवादों का बोझ कम करने में सहायता मिल सकती है।सर्वोच्च न्यायालय ने मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम (1985) और सरला मुद्गल बनाम भारत संघ (1995) सहित कई मामलों में अनुच्छेद 44 के महत्व व व्यक्तिगत कानूनों में सुधार के प्रश्न पर विचार किया है और उसे लागू करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उत्तराखंड में लागू सामान नागरिक कानून की एक बड़ी विशेषता यह है कि विशिष्ट सामाजिक परंपराओं वाले व्यक्ति समूहों की भावनाओं को सम्मान देते हुए उन्हें इस कानून से बाहर रखा गया है। इस आधार पर संविधान के अनुच्छेद 366(25) और अनुच्छेद 342 के अंतर्गत अधिसूचित अनुसूचित जनजातियों पर यह संहिता लागू नहीं होती।इस आधार पर संविधान के अनुच्छेद 366(25) और अनुच्छेद 342 के अंतर्गत अधिसूचित अनुसूचित जनजातियों पर यह संहिता लागू नहीं होती। इसके अलावा, संविधान के भाग 21 के अंतर्गत संरक्षित कुछ पारंपरिक अधिकारों और व्यवस्थाओं को भी संरक्षित किया गया है। यह छूट भारत की सांविधानिक संरचना की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। देश के अनेक जनजातीय समुदायों की अपनी विशिष्ट सामाजिक परंपराएं, विवाह संबंधी रीति-रिवाज, उत्तराधिकार व्यवस्थाएं और सामुदायिक संस्थाएं हैं। इसके जरिये बेटियों को संपत्ति में बराबरी का हक भी सुनिश्चित हो सकेगा। समान नियम से नागरिकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रक्रिया को समझना और लागू करना अपेक्षाकृत सरल होगा। डिजिटल आवेदन, ऑनलाइन प्रमाणपत्र और रिकॉर्ड की उपलब्धता सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर कम कर सकती है।

कर्ज का बोझ बढ़ेगा

जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट बैंक (एफसीएनआर-बी) योजना के जरिए अनिवासी भारतीयों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) लाने की योजना कामयाब रही। इससे उस समय 136 बिलियन डॉलर भारत आए हैं, जब देश से डॉलर की निकासी के कारण रुपया बेहद दबाव में था। आए डॉलर के कारण रुपये की कीमत संभली है। लेकिन इस कामयाबी ने कई आशंकाओं को भी जन्म दिया है। यह एक टर्म डिपॉजिट स्कीम है। इसमें तीन से पांच साल की अवधियों के लिए जमा रकम विदेशी मुद्रा में ही मैच्योर होगी। वह रकम विनिमय दर के उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होगी। इस पर मिले ब्याज पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा। मोटे तौर पर इसे फिक्स्ड डिपॉजिट की ऐसी योजना के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें मैच्युरिटी पर मिलने वाली रकम उस दौरान हुई मुद्रास्फीति के प्रभाव से मुक्त रहेगी। जमा रकम पर लगभग 16 प्रतिशत का तय रिटर्न मिलेगा। और इसीलिए यह सवाल उठा है कि तीन साल के बाद जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? बैंकों को भुगतान डॉलर में ही करना होगा, जिससे तब विदेशी मुद्रा भंडार पर अचानक बड़ा दबाव बढ़ सकता है। इस बीच अमेरिका या अन्य देश अपनी ब्याज दरें बढ़ाते हैं, तो अनिवासी भारतीय निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय बैंकों को भी अधिक ब्याज देना होगा। उससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। अभी ही इस योजना के कारण भारत पर विदेशी कर्ज का बोझ 765 बिलियन से बढ़ कर लगभग 900 बिलियन डॉलर हो गया है। जब केंद्र के राजस्व का 40 प्रतिशत और बजट का 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा हो, तो बढ़े ऋण के दुष्परिणाम को समझा जा सकता है। इसीलिए सवाल उठा है कि क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? इसीलिए वित्तीय हलकों में यह अंदेशा जताया गया है कि कहीं इस योजना का हाल भी गोल्ड बॉन्ड स्कीम जैसा ना हो जाए!

आलेख

उत्तम त्याग:दान के साथ बुरी आदतों का त्याग भी जरूरी

समय और श्रम का दान भी परोपकार की महत्वपूर्ण साधना : डॉ. सुनील 'संचय'

ललितपुर। दशलक्षण महापर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की आराधना की गई। उत्कर्ष समूह, भारत द्वारा आयोजित दस दिवसीय व्याख्यानमाला में डॉ. सुनील जैन 'संचय' ने कहा कि सच्चा त्याग केवल वस्तुओं को छोड़ना नहीं, बल्कि मोह, राग-द्वेष, लोभ तथा बुरी आदतों का त्याग करना है। उन्होंने कहा कि जैन परंपरा में आहार, औषधि, शास्त्र और अभय—चार प्रकार के दान बताए गए हैं। धन की तीन गतियां दान, भोग और नाश हैं, इसलिए धन को नाश से पहले परोपकार में लगाना चाहिए। आज धनदान के साथ समयदान और श्रमदान की भी आवश्यकता है। जो व्यक्ति आर्थिक सहयोग नहीं कर सकता, लेकिन अपना समय और श्रम ईमानदारी से किसी सेवा कार्य में लगाता है, उसका समर्पण भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बकहा कि दान और त्याग अहंकार, यश अथवा किसी प्रतिफल की अपेक्षा से नहीं, बल्कि निर्मल भाव से होना चाहिए। आवश्यकता से अधिक संग्रह न करना और क्रोध, मान, माया तथा लोभ जैसे विकारों को छोड़ना ही त्याग धर्म की वास्तविक साधना है। उन्होंने कविवर द्यानतराय की पंक्ति बिन दान श्रावक साधु दोनों, लहै नाहीं बोधि को का उल्लेख करते हुए कहा कि सुपात्र दान आत्मकल्याण और समाजहित दोनों का माध्यम है। दशलक्षण महापर्व में अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान, सेवा और त्याग का संकल्प लेना ही उत्तम त्याग धर्म की सार्थक आराधना है।

राज्य योजनाओं में लागू होगा स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल

सुनील त्रिपाठी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं के लिए राज्य एकल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्य योजनाओं में सरकारी निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, कुशल और प्रभावी बनाना है। एस-एसएनए मॉडल के तहत विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के अनेक बैंक खातों में पहले से राशि रखने के बजाय प्रत्येक चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत मुख्य खाता (मदर अकाउंट) बनाया जाएगा। योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस-एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस-एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग-अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि एस-एसएनए मॉडल राज्य के वित्तीय प्रबंधन को अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख बनाएगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि जिस राशि की सरकार को तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसे पहले से बैंक खातों में रखने के बजाय जरूरत पड़ने पर ही उपयोग में लाया जाए। इससे राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार को विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल इस अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अनावश्यक ऋण लेने की जरूरत और उस पर लगने वाले ब्याज के भार को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा। केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भारत सरकार द्वारा लागू एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं में भी एस-एसएनए मॉडल लागू किया जाएगा। इसके तहत योजनाओं के निधि प्रवाह की शुरुआत राज्य कोषागार/ई-कोष से एस-एसएनए खाते तक होगी। इसके बाद क्रियान्वयन एजेंसियों को सीधे राशि हस्तांतरित करने के बजाय उनके लिए निर्धारित व्यय एवं आहरण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। वास्तविक भुगतान के समय ही संबंधित हितग्राही या विक्रेता को राशि जारी की जाएगी। एस-एसएनए मॉडल की प्रमुख विशेषता आवश्यकता के समय निधि जारी करना है। इसके तहत योजना की राशि पहले से अलग-अलग खातों में जमा रखने के बजाय वास्तविक आवश्यकता के समय ही भुगतान किया जाएगा। इससे बैंक खातों में अनावश्यक रूप से पड़ी राशि कम होगी और योजनाओं की निधि का लगभग शून्य निष्क्रिय शेष सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस व्यवस्था में मुख्य खाता और सहायक खाते की प्रणाली के साथ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा गैर-प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार के भुगतान शामिल किए जा सकेंगे। जिला, विकासखंड, पंचायत और ग्राम स्तर की चिन्हित क्रियान्वयन एजेंसियों को भी इसके दायरे में लाया जा सकेगा। एस-एसएनए मॉडल से योजनाओं में निधि प्रवाह और व्यय की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। विभागों को उपलब्ध निधि, जारी व्यय सीमा, वास्तविक व्यय और अप्रयुक्त राशि की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। डिजिटल प्रणाली में निर्माता-जांचकर्ता आधारित लेखा-परीक्षण अभिलेख होने से वित्तीय लेन-देन की निगरानी मजबूत होगी। इससे सरकारी राशि के दुरुपयोग, अनधिकृत भुगतान और बैंकिंग धोखाधड़ी की संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि डिजिटल लेखा-परीक्षण अभिलेख और वास्तविक समय की निगरानी से प्रत्येक स्तर पर निधि के उपयोग की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होगी। इससे वित्तीय अनियमितताओं की संभावना कम होगी और विभागों को अपने संसाधनों तथा व्यय की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी। वर्तमान व्यवस्था में आवश्यकता से पहले राशि आहरित होने के कारण विभिन्न विभागीय खातों में बड़ी मात्रा में सरकारी धन निष्क्रिय पड़ा रहता है। प्रस्तावित व्यवस्था से इस समस्या को कम किया जा सकेगा। विभागीय निष्क्रिय खातों में लगभग 530 करोड़ रुपये तथा भारतीय रिजर्व बैंक के डीईएएफ खातों में लगभग 100 करोड़ रुपये की निष्क्रिय राशि जैसी समस्याओं पर भी प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद है। सरकार की ओर से बताया गया कि एक ओर योजनाओं के लिए ऋण लेकर ब्याज का भुगतान करना पड़ता है, जबकि दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल के माध्यम से उपलब्ध निधियों के बेहतर प्रबंधन से अनावश्यक ऋण की आवश्यकता कम होगी। इससे ब्याज भार और राजस्व घाटे को नियंत्रित करने में सहायता मिल सकती है। एस-एसएनए व्यवस्था के तहत योजनाओं की राशि के प्रबंधन से अर्जित ब्याज राज्य की संचित निधि में जमा किया जाएगा। इससे सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग सुनिश्चित करने और राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

भूमिगत संरचना का मानचित्रण : संपूर्ण प्रणाली और संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के ज़रिए किस प्रकार आईसीएआर की 'मृदा आसूचना' भारत के विशाल अवसंरचना विस्तार को नया रूप दे रही है

एम.एल. जाट और एन.जी. पाटिल

भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिज़िकल (भौतिक) और फिजिटल (फिजिकल+डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा-मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है। बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं—विशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है।

बस्तर में बदलाव के वाहक पीएम मोदी जी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जनसेवा के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और अंत्योदय के संकल्प की प्रेरक यात्रा है। लोक कल्याण की उनकी अहर्निश यात्रा अन्त्योदय को समर्पित है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित प्रत्येक नीति के केन्द्र में गरीब, किसान, महिला, युवा और विशेष रूप से जनजातीय समाज होता है। छत्तीसगढ़ के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विशेष आत्मीय जुड़ाव रहा है। श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के जीवन स्तर को गुणवत्ता प्रदान की है। इस बदलाव की सबसे सुन्दर तस्वीर बस्तर में दिखाई देती है। बस्तर प्राकृतिक सम्पदा, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश लोगों की धरती है। लम्बे समय तक नक्सल हिंसा के कारण इस क्षेत्र की संभावनाएँ पूरी तरह सामने नहीं आ पाईं। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में सुरक्षा और विकास को साथ लेकर चलने की नीति ने परिस्थितियाँ बदली हैं। आज जिन इलाकों में शासन-प्रशासन का पहुँचना कठिन था, वहाँ सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, स्कूल, अस्पताल और सरकारी योजनाएँ पहुँच रही हैं।कनेक्टिविटी इस बदलाव का मजबूत आधार बनी है। बस्तर क्षेत्र में 3,240 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है और 889 मोबाइल टॉवर लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 234 बसाहटों को जोड़ने के लिए 228 सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिली है। सड़क केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ती, वह लोगों को अवसरों से जोड़ती है। सड़क पहुँचती है तो बाजार पहुँचता है, एम्बुलेंस पहुँचती है, शिक्षक पहुँचते हैं और रोजगार के नए रास्ते खुलते हैं। जिन रास्तों पर कभी नक्सली बारूद बिछाते थे, आज उन्हीं रास्तों पर विकास की गाड़ी चल रही है।शिक्षा के क्षेत्र में भी बस्तर तेजी से आगे बढ़ रहा है। नक्सल हिंसा के कारण बंद पड़े 421 स्कूलों को फिर से खोला गया है। अबूझमाड़ और जगरगुण्डा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित करने के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हमारा प्रयास है कि बस्तर के बच्चों को अपने क्षेत्र में ही अच्छी शिक्षा, आवासीय सुविधा और आगे बढ़ने का बेहतर वातावरण मिले। युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बस्तर के सभी 32 विकासखण्डों में कौशल विकास केन्द्र प्रारम्भ किए गए हैं। बस्तर ओलम्पिक ने गाँव और जनजातीय अंचलों की खेल प्रतिभाओं को बड़ा मंच दिया है। बस्तर पण्डुम ने यहाँ की संस्कृति, लोककला, परम्परा और जनजातीय गौरव को नई पहचान दी है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी जी ने बस्तर पण्डुम की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और स्थानीय समुदायों के सशक्तीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलाव साफ दिखाई देता है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत 34 लाख से अधिक स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार की गई है। दूरस्थ क्षेत्रों में उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से सेवाएँ पहुँचाई जा रही हैं। जगदलपुर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शुरू हुआ है और गीदम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना से बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाएँ समावेशी बनी हैं। हमारे वैचारिक अधिष्ठान के प्रणेता श्रद्धेय दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि राजनीति का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास होना चाहिए। देश के प्रधान सेवक श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अन्त्योदय की विचारधारा को साकार रूप दिया है। उनके विजन पर चलते छत्तीसगढ़ सरकार ने नियद नेल्लानार योजना के जरिए बस्तर समेत छत्तीसगढ़ के सबसे दुर्गम गाँवों तक विकास का उजाला पहुँचाया है। सुरक्षा शिविरों के 10 किलोमीटर के दायरे के 525 गाँवों में शासन के 17 विभागों की 43 हितग्राहीमूलक और सामुदायिक योजनाओं के माध्यम से लोगों को सुविधाओं से जोड़ा गया।एक महत्वपूर्ण बदलाव यह भी है कि सुरक्षा शिविरों को शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केन्द्रों से स्वास्थ्य, बैंकिंग, कृषि सहायता, कौशल विकास, आजीविका और दूसरी नागरिक सेवाएँ लोगों के नजदीक पहुँच रही हैं। छत्तीसगढ़ के विकास का अगला बड़ा आधार उसकी वन सम्पदा है। इमली, महुआ, सालबीज, चिरौंजी और अनेक वनौषधियाँ यहाँ के जनजातीय परिवारों की आजीविका से जुड़ी हैं। बस्तर और सरगुजा में कृषि एवं वन आधारित प्रसंस्करण इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बस्तर की दूसरी बड़ी ताकत पर्यटन है। चित्रकोट और तीरथगढ़ के जलप्रपात, कांगेर घाटी, घने जंगल, गुफाएँ और अनूठी जनजातीय संस्कृति इसे प्रकृति और संस्कृति आधारित पर्यटन के लिए विशिष्ट बनाते हैं। इको पर्यटन और स्थानीय होमस्टे को बढ़ावा देकर पर्यटन को स्थानीय परिवारों की आय और रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। सिंचाई, बिजली और इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार से भी बस्तर की अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी। आज बस्तर की पहचान बदल रही है। जिस बस्तर की चर्चा कभी हिंसा के कारण होती थी, आज उसकी चर्चा सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, पर्यटन, संस्कृति और आजीविका के लिए हो रही है। वर्ष 2026 के बस्तर पण्डुम के अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने भी बस्तर में शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव की बढ़ती भावना को रेखांकित किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारतीय जनता पार्टी के लक्ष्यावधि कार्यकर्ताओं के साथ ही पूरे देश के लिए इसलिए भी प्रेरणापुंज है क्योंकि उन्होंने अपनी संकल्प शक्ति से राष्ट्र के नवनिर्माण को नई ऊँचाई प्रदान की है। बदलता बस्तर इसका जीवन्त उदाहरण है। बस्तर समेत देश के कोने-कोने में सेवा संकल्प अभियान को लेकर जिस तरह समाज के हर वर्ग में उत्साह देखने को मिल रहा है, वह प्रधानमंत्री जी के प्रति स्नेह व आत्मीयता का अनुपम उदाहरण है।

किरण सिंह देव
प्रदेश अध्यक्ष

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, गुरुवार 24 सितम्बर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

छतरी की तरह है भगवत नाम : इन्द्रेश महाराज

- आजकल ईर्ष्या में लगभग लोग जल रहे हैं, यह बहुत बड़ा दोष है
- जीवन में कितनी भी परेशानी आ जाए, भगवत नाम कभी न भूलें

रायपुर (विश्व परिवार)। भागवताचार्य इन्द्रेश जी महाराज ने बताया कि आजकल ईर्ष्या में लगभग लोग जल रहे हैं। यह बहुत बड़ा दोष है। दूसरे की सादगी, खुशी, सुखी, भलाई देखी नहीं जाती। आजकल तो लोग इसलिए दुखी है कि हम जैसा चाह रहे थे वैसा दुखी नहीं हैं। जीवन में टेढ़े दिन आ जाए पर ध्यान रखना भक्ति में टेढ़े दिन नहीं आना चाहिए। ठाकुर जी के प्रति प्रेम न टूटे। भगवत कृति-भगवत का नाम का कभी त्याग नहीं करना। छतरी की तरह है भगवत नाम, चाहे जीवन में कितनी भी परेशानी आ जाए, परिस्थितियां बदल जाए, संघर्ष करना पड़े, संकट आ जाए, पीड़ा झेलनी पड़े, कष्ट झेलना पड़े। जिस हरिरूपी नाम से चारो तरफ से घिरे हैं और यही आपकी रक्षा करेंगे। कष्ट आने पर दोनों भुजाएं ऊपर उठाकर पूरी ताकत से भगवत नाम लीजिए। इन परिस्थितियों को ये बता देना कि वो भी कांप जाए, बता दो आओगे तो सोंच समझकर हमारे पास आना क्योकि हम जगन्नाथ के दास हैं। कृषि मंडी देवेन्द्रनगर में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्री इन्द्रेश जी महाराज ने वामन द्वादशी पर वामन अवतार की कथा प्रसंग को वर्णित किया।

प्रभु के लिए विरह सबको नहीं आता है..

भागवताचार्य इन्द्रेश जी महाराज ने विरह और प्रेम की व्याख्या करते हुए कहा कि व्यक्ति को जब किसी से प्रेम होता है तो उससे मिलने या देखने के लिए सौ बहाने बनाते हैं, नहीं होता है तो छोटी सी बीमारी को भी बड़ी बता देते हैं। हाड़- मांस से बने लोगों के लिए जब हो सकता है तो क्या ठाकुर जी के लिए नहीं हो सकता। संसारी सुख को आशक्ति कहते हैं यह ज्यादा दिन तक टिकते नहीं हैं। प्रेम की व्याकुलता तो मीराबाई की तरह होनी चाहिए। विरह तो वृत्तासुर की तरह होना चाहिए.जो स्वंय ठाकुरजी से मांग रहे हैं। हर किसी के नेत्र सजल नहीं होते हैं।

छल कपट झूठ जैसे अवगुणों से किसी के साथ गलत किया है तो केवल क्षमा मांग लेने से काम नहीं चलेगा। गलत करने से इंसानियत का स्वरूप ओझल हो जाता है। अवगुण आने से इंसानियत जाने लगते हैं। छल कपट झूठ का प्रायश्चित्त करना चाहतें तो केवल गलती स्वीकारने या क्षमा मांगने से काम नहीं चलेगा, आगे से फिर कभी नहीं होगा ये प्रण लेकर इसे ठाकुरजी के चरणों में तिलाजंलि दे दो।

आज तिलक-जटाधारी वेष में घूम रहे रावणरूपी लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी भी तिलकधारी से संबंध न बना लें। उनके अंदर के स्वभाव को पहचान पाना मुश्किल होता है, हर किसी में साधुता नहीं होती। ऐसे लोगों को वंदन प्रणाम करने से पता चल जाता है। आगे एक अन्य प्रसंगवश कश्यप ऋषि का वृतांत पर बताया कि संध्याकाल में कुछ चीजों का वर्जन है इसे जान लेना जरूरी है। जैसे भोजन नहीं करना चाहिए इससे रोग आता है। पढ़ना नहीं चाहिए विस्मृति आती है। सोना नहीं चाहिए घर में दरिद्रता आती है। गर्भधारण की प्रक्रिया में नहीं जाना चाहिए।

स्वर्ण वेष में थे आज जगन्नाथ प्रभु

श्री इन्द्रेश जी महाराज ने कथा के प्रारंभ दिवस पर जैसे की बताया था भगवान जगन्नाथ प्रभु, सुभद्रा जी और बलभद्र जी, सुदर्शन जी के पोशाक रोज बदले जाएंगे और श्रद्धालुओं को दिव्य दर्शन होंगे। कथा स्थल पर आज स्वर्ण वेष में बहुत सुंदर स्वरुप में विराजमान थे। जब रथयात्रा के बाद लौटकर प्रभु आते हैं तो इसी वेष में रहते हैं।

संत समागम बना ऐतिहासिक क्षण, आचार्य श्री विभव सागर महाराज के दर्शनार्थ पहुंचे रावतपुरा सरकार

सागर (विश्व परिवार)। कटरा स्थित श्री गौराबाई दिगंबर जैन मंदिर में सोमवार को उस समय ऐतिहासिक और भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला, जब चातुर्मासरत आचार्य श्री 108 विभव सागर जी महाराज के दर्शन के लिए संत श्री रविशंकर जी महाराज 'रावतपुरा सरकार' पहुंचे। उनके आगमन के साथ ही पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और उपस्थित श्रद्धालुओं ने दोनों संतों के आत्मीय मिलन का साक्षी बनकर हर्ष व्यक्त किया।

संत श्री रावतपुरा सरकार के मंदिर पहुंचने पर आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज ने उनका आत्मीय स्वागत किया। विशेष रूप से आचार्य श्री ने स्वयं उनका हाथ पकड़कर मंदिर परिसर में विराजमान जिन प्रतिमाओं एवं धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए। इस दौरान दोनों संत एक-दूसरे की सरलता, सहजता और साधना की प्रशंसा करते रहे। यह दृश्य उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण और भाव-विभोर करने वाला रहा।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए संत श्री रविशंकर जी महाराज ने जैन धर्म के दशलक्षण पर्व, जैन साधुओं की कठिन चर्या और तपस्या के प्रति अपने भाव व्यक्त किए। उन्होंने आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के प्रति भी अपनी श्रद्धा प्रकट की तथा जैन संत परंपरा की त्यागमयी साधना की सराहना की। उन्होंने श्री सम्मेद शिखरजी की कई बार वंदना करने के अपने अनुभवों का भी उल्लेख किया।

संत श्री रावतपुरा सरकार ने आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज के तप, त्याग और साधना के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए उन्हें महान संत बताया।

आकर्षक गिफ्ट आइटम्स की शानदार रेंज के लिए डी'आर्ट बना पसंदीदा गिफ्ट डेस्टिनेशन

रायपुर (विश्व परिवार)। किसी खास मौके पर अपने प्रियजनों को यादगार और आकर्षक उपहार देने के लिए डी'आर्ट में गिफ्ट आइटम्स की शानदार रेंज उपलब्ध है। प्रतिष्ठान में खूबसूरत सजावटी वस्तुओं से लेकर आधुनिक आर्ट पीसेस तक कई विकल्प ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। यहां उपलब्ध उत्पाद घर, ऑफिस और अन्य स्थानों की सजावट के साथ-साथ विभिन्न अवसरों पर उपहार देने के लिए उपयोगी हैं।

उपरोक्त जानकारी डी'आर्ट के संचालक योगेश पारख ने दी. यह प्रतिष्ठान शॉप नंबर 86, गेट नंबर-1, महालक्ष्मी मार्केट, पण्डरी, रायपुर में स्थित है। उन्होंने आगे बताया कि संस्थान में शो-पीस, मेटल आर्ट, पेंटिंग, वॉल क्लॉक, मिरर, फ्लावर पॉट और आर्टिफिशियल प्लांट्स सहित कई आकर्षक आइटम उपलब्ध हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के डेकोरेटिव और क्रिएटिव आइटम्स भी यहां देखे जा सकते हैं। आधुनिक डिजाइन और आकर्षक लुक वाले इन उत्पादों के जरिए कस्टमर अपने घर व कार्यालय को अलग अंदाज में सजा सकते हैं।

प्रतिष्ठान में अलग-अलग पसंद और जरूरत के अनुसार कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। विशेष अवसरों, त्योहारों, जन्मदिन, वर्षगांठ या किसी प्रिय व्यक्ति को यादगार उपहार देने के लिए यहां से पसंदीदा आइटम चुने जा सकते हैं। सजावट के लिए आर्टिफिशियल प्लांट्स और फ्लावर पॉट, वहीं घर की दीवारों के लिए कई तरह के पेंटिंग व वॉल क्लॉक जैसे विकल्प उपलब्ध हैं।

त्याग ही जीवन का सुख और राग दुख का कारण: विशद सागर

- पर्यूषण पर्व में मुनि श्री ने कहा त्याग से होता जीवन में उन्नति का मार्ग प्रशस्त

ललितपुर (विश्व परिवार)। जैन अटा मंदिर में पर्युषण पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि विशद सागर महाराज ने कहा त्याग के माध्यम से जीवन की उन्नति का मार्गप्रशस्त होता है। जैसे जैसे वस्तु का त्याग करते जाते हैं वैसे वैसे जीवन की उन्नति होती चली जाती है। त्याग में सुख है राग में दुख इसलिए हमें त्याग धर्म को स्वीकारना चाहिए। पर पदार्थ को पूर्ण रूप से त्यागना ही सबसे बडा दान बत्ताते हुए कहा इसे यथा समय करते रहना चाहिए। मुनि श्री ने त्याग को मुक्ति का द्वार बताते हुए कहा कुछ समय का त्याग भी आपको मुक्ति प्रदान कराने में सहयोगी होता है। उन्होने कहा त्याग के दिन पूजा अनुष्ठान का जो अवसर मिल रहा है इसे आप लोग मोह राग द्वेष का त्याग कर प्रभु की भक्ति कर रहे हैं यह त्याग आपको महान बनाएगा। धर्म सभा के प्रारम्भ में तत्वार्थसूत्र का वाचन पाठशाला परिवार की अन्या जैन,हर्षित जैन ?, भव्य जैन द्वारा किया गया जिसमें अर्घ जिनशासन एकता महिला मण्डल द्वारा समर्पित किए गए। जबकि मंगलाचरण प्रिया सिंघई ने किया। मध्यान्ह में तत्वार्थ सूत्र को आचार्य श्री ने श्रावकों को विस्तार से समझाया। नगर में जैन मंदिरों में श्रद्धालुजनों द्वारा प्रात:काल से ही पूजन अर्चन विधान और श्री जी के अभिषेक शान्तिधारा में सम्मलित होकर पुर्याजन कर रहे हैं। मध्यान्ह में जैन मंदिरों में समोवशरण विधान, पंचकल्याणक विधान, पंच परमेष्ठी विधान, कर्मदहन विधान, नवग्रह पूजन विधान, व्रत उद्यापन आदि में सम्मलित होकर पुण्यर्थ्याजन कर रहे हैं। जैन मंदिरों में सुन्दर सुन्दर झाकियों की रचनाए बच्चों की टोलियों द्वारा की जिसको धर्मालुजन प्रोत्साहित कर रहे हैं। सार्यकाल आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जा रही है नगर के अभिनंदनोदय तीर्थ क्षेत्रपाल मंदिर में सुधाकलश महिला मण्डल द्वारा कुण्डलपुर की गौरवगाथा का मंचन किया गया जिसमें कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस मौके पर जैन पंचायत के अध्यक्ष डा0 अक्षय टड़या, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत जैन खजुरिया, सीए सौरभ जैन, प्रबंधक मोदी पंकज जैन अशोक दैलवारा, प्रतीक इमलिया, राकेश जैन रिकू, पुष्पेन्द्र जैन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पर्युषण महापर्व के अष्टम दिवस पर हुई उत्तम त्याग धर्म की आराधना

रायपुर (विश्व परिवार)। कचना स्थित अमलतास कैसल परिसर के 1008 श्री मुनि सुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे दशलक्षण महापर्व के अष्टम दिवस पर श्रद्धालुओं ने 'उत्तम त्याग धर्म' की भावपूर्ण आराधना की।

प्रात:काल नित्य अभिषेक, शांतिधारा एवं विधिवत पूजन के पश्चात दस लक्षण विधान संपन्न हुआ। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं संयम के साथ धर्माराधना की।जिन शासन की शोभा बढ़ा रहे एवं रायपुर में चौमासा कर रहे 108 श्री आगम सागर जी महाराज ससंघ के मंगल आशीर्वाद से अमलतास कैसल में पर्युषण महापर्व के दौरान व्रत एवं उपवास की साधना की पावन सरिता बह रही है। श्रद्धालु अपनी क्षमता एवं संकल्प के अनुसार उपवास, व्रत एवं संयम की साधना कर आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं।

इसी क्रम में हर्षित जैन, अक्षत जैन, हिमांशु जैन, कुमारी अद्विका जैन एवं रीना जैन दस लक्षण व्रत की साधना में आनंदपूर्वक अग्रसर हैं . विदित हो कि श्रावकों द्वारा किए जा रहे दस लक्षण व्रत में बीना जल के निराहार रह कर उपवास किया जाता है. उनकी इस साधना से मंदिर परिसर में धर्म एवं तप की भावना को और बल मिल रहा है। उक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने दी।

मोह-ममता का त्याग ही आत्मशुद्धि का मार्ग - उत्तम त्याग धर्म की व्याख्या करते हुए भाई सुरेश मोदी ने कहा कि त्याग का अर्थ केवल भौतिक वस्तुओं को छोड़ देना नहीं है। वास्तविक त्याग तब होता है, जब मनुष्य अपने भीतर के मोह, ममता, लोभ, क्रोध, मान और अहंकार जैसे विकारों का त्याग करता है। बाहरी वस्तुओं का त्याग तभी सार्थक है, जब उसके साथ मन की आसक्तियों का भी क्षय हो।

दशलक्षण पर्व के आठवें दिन श्रावकों ने उत्तम त्याग के दिन दान की महिमा

- उत्तम त्याग परिग्रह को कम करने का साधन है : संतोष शास्त्री

ललितपुर (विश्व परिवार)। दशलक्षण महापर्व में सिद्ध क्षेत्र पावागिरि सहित तालबेहट के दोनों जैन मंदिरों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों की धूम मची है। कसबे के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पं. संतोष कुमार जैन शास्त्री अमृत एवं वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में बाल ब्रह्मचारिणी मानी दीदी झाँसी के निर्देशन मे अभिषेक-शांतिधारा की क्रियाएँ एवं उत्तम त्याग धर्म की साधना की गयी। संतोष शास्त्री ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा उत्तम त्याग परिग्रह को कम करने का साधन है। यह हमारे अंतस में परोपकार की भावना विकसित करता है तथा पात्र व्यक्ति को अभय औषधि आहार और शास्त्र दान देने का बोध कराता है, जिसे श्रेष्ठ दान कहते हैं। वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित भक्तामर एवं दशलक्षण महामंडल विधान में हितेंद्र पवैया, अशोक कुमार, पुष्पेंद्र जैन, विजय पवा, जितेंद्र बड़ौरा, अरविन्द विरधा आदि ने प्रमुख भूमिका निभाई। अंजू राकेश सतभिया ने मंगल आरती उतारी। दोपहर में तत्वार्थ सूत्र का स्वाध्याय किया। रात्रि में आगम जैन वासु की सुंदर सुर लहरियों के मध्य महाआरती के उपरांत श्रेष्ठी जनों ने आचार्य श्री का चित्र अनावरण कर ज्ञानदीप प्रज्वलित किया। मानी दीदी ने कहा राग-द्वेष का कचड़ा साफकर हमें मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ना है। तप को धारण करने के लिए हमें सहना, पकना, गलना और ढलना सीखना होगा। सुविधा और साधना संपन्न मार्ग में हमें साधना के मार्ग को चुनना है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत 21 बच्चों ने भक्ति नृत्य में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी।

ज्ञान बढ़ने के साथ अहंकार नहीं, विनम्रता आनी चाहिए : मुनि संवेगरत्न सागर जी

- मान कषाय पर विजय का पहला उपाय विनय,गुरु के प्रति समर्पण जरूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास की प्रवचनमाला में बुधवार को मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने मान कषाय पर विजय पाने के लिए विनय गुण को जीवन में उतारने की सीख दी। मुनिश्री ने समझाया कि ज्ञान बढ़ने के साथ अहंकार नहीं, विनम्रता आनी चाहिए। मान कषाय पर विजय पाने का पहला उपाय विनय है।

मुनिश्री धर्मसभा में आचार्य वीरभद्राचार्य द्वारा रचित 'आतुर प्रत्याख्यान' ग्रंथ के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं को आत्मकल्याण का मार्ग समझा रहे हैं। मुनिश्री ने कहा कि 'मुझे बहुत कुछ आता है' ऐसा विचार मन में आना ही मान का ध्यान है। व्यक्ति अधिक अध्ययन करने के बाद यह सोचने लगे कि उसके ज्ञान के कारण समाज, राज्य या देश में उसकी पूछ-परख बढ़नी चाहिए, तो यह भी मान कषाय का ही स्वरूप है। ज्ञान प्राप्त करना अच्छी बात है, लेकिन ज्ञान के साथ विनम्रता नहीं आई तो वही ज्ञान अहंकार का कारण बन सकता है। मुनिश्री ने कहा कि गुरु की प्रतिष्ठा हृदय में हो और उनके प्रति आदर व श्रद्धा का भाव बना रहे तो कठिन कार्य भी सहज हो जाते हैं।

एसईसीएल ने 40 लाख वर्गफीट क्षेत्र की सफाई का लक्ष्य रखा

- 3,300 मेट्रिक टन स्क्रैप निस्तारण से मिलेगा राजस्व; ई-वेस्ट प्रबंधन, रिकॉर्ड समीक्षा और लंबित कार्यों के निपटारे पर रहेगा विशेष जोर

बिलासपुर (विश्व परिवार)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार के विशेष अभियान 6 के तहत 40 लाख वर्गफीट क्षेत्र की सफाई और 3,300 मेट्रिक टन स्क्रैप के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान के तहत एसईसीएल के विभिन्न प्रतिष्ठानों में 225 स्थलों को चिन्हित किया गया है। 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान में स्वच्छता के साथ ई-वेस्ट प्रबंधन, कार्यालयीन स्थानों के बेहतर उपयोग, रिकॉर्ड प्रबंधन और प्रशासनिक लंबित कार्यों के निपटारे पर विशेष जोर रहेगा। अभियान के दौरान चिन्हित 225 स्थलों पर लगभग 40 लाख वर्गफीट क्षेत्र की सफाई की जाएगी। वहीं, 3,300 मेट्रिक टन स्क्रैप के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है, जिससे स्क्रैप के निस्तारण के साथ राजस्व भी प्राप्त होगा।

ई-वेस्ट के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष जोर

इस वर्ष विशेष अभियान 6 में ई-वेस्ट के प्रभावी संग्रहण, पृथक्करण एवं जिम्मेदाराना निस्तारण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत एसईसीएल के विभिन्न कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में इलेक्ट्रॉनिक कचरे की व्यवस्थित पहचान, संग्रहण एवं पृथक्करण के साथ निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप उसके निस्तारण की कार्रवाई की जाएगी।

बादल की तरह बरसें, समुद्र की तरह संग्रह न करें, त्याग में आसक्ति और अहंकार छोड़ना जरूरी : मुनि श्री समतासागर जी

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। दशलक्षण महापर्व का प्रत्येक दिन साधक को आत्ममंथन और जीवन में परिवर्तन की प्रेरणा दे रहा है। उत्तम त्याग धर्म के अवसर पर निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि त्याग केवल वस्तु छोड़ने का नाम नहीं, बल्कि आसक्ति, संग्रह और अहंकार को छोड़ने का नाम है। मनुष्य जीवन में जितना ग्रहण जरूरी है, उतना ही छोड़ना भी आवश्यक है। त्याग ही जीवन को हल्का, स्वस्थ और सार्थक बनाता है।

मुनि श्री ने कहा कि पर्व समाज को जोड़ने और व्यक्ति के भीतर समता का भाव जगाने का माध्यम हैं। संस्कृत में पर्व का अर्थ संधि, गांठ या पोर भी माना गया है। जिस प्रकार गन्ने के पोर उसके भीतर के रस को जोड़े रखते हैं, उसी प्रकार पर्व समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक पर्वों के माध्यम से समाज में समरसता तथा साधक के भीतर समता का भाव विकसित होता है। पर्व की आत्मा को समझकर जीवन में उतारना ही पर्व मनाने का वास्तविक उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति स्वयं त्याग का संदेश देती है। पेड़ पर पत्ते आते हैं और समय आने पर झड़ जाते हैं, फल लगते हैं और पककर गिर जाते हैं। गाय भी समय आने पर अपना दूध छोड़ती है। शरीर से अनावश्यक पदार्थ बाहर निकलता है तो व्यक्ति स्वस्थ और ताजा अनुभव करता है। जिस प्रकार सांस लेना जरूरी है, उसी प्रकार सांस छोड़ना भी जरूरी है। इससे स्पष्ट है कि त्याग जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है और त्याग ही धर्म है।

संग्रह नहीं, सदुपयोग बने जीवन का संस्कार

मुनि श्री ने कहा कि राग और आसक्ति के कारण मनुष्य बाहरी वस्तुओं का संग्रह करता चला जाता है। कई बार व्यक्ति ऐसी वस्तुएं भी अपने पास रोककर रखता है, जिनकी उसे जरूरत नहीं होती, लेकिन कोई जरूरतमंद मांगने आए तो देने को तैयार नहीं होता। वस्तु को पकड़कर रखने की यही मानसिकता परिग्रह है। परिग्रह व्यक्ति के पतन और अशांति का कारण बन सकता है।

उन्होंने कहा कि जीवन में कम से कम में काम चलाने की आदत विकसित करनी चाहिए। आवश्यकता को आवश्यकता तक सीमित रखें और अनावश्यक वस्तुओं तथा विलासिता से बचें। यदि किसी वस्तु की आवश्यकता से अधिक उपलब्धता है तो विचार करें कि उसका उपयोग जनहित में कैसे किया जा सकता है। अतिरिक्त वस्तु को किसी जरूरतमंद के काम में लगाना त्याग की दिशा में सार्थक कदम है।

बादल और समुद्र का उदाहरण देते हुए मुनि श्री ने कहा कि समुद्र में अथाह पानी है, लेकिन वह खारा है, जबकि बादलों के पास सीमित जल होता है और वे उसे रोककर नहीं रखते। बरसकर वही जल धरती में हरियाली, जीवन में खुशहाली और वातावरण में शीतलता लाता है। इसी प्रकार मनुष्य के पास धन, ज्ञान और सामर्थ्य जितना भी हो, उसकी सार्थकता उसे रोककर रखने में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है।

उन्होंने कहा कि पुरुषार्थ और पुण्य से अर्जित धन को सुरक्षित रखना गलत नहीं है, लेकिन दृष्टि यह होनी चाहिए कि श्रेष्ठ अवसर आने पर उसका उपयोग धर्म, समाज और जनहित में किया जाएगा। मंदिर निर्माण, प्रतिमा विराजमान, पंचकल्याणक, धार्मिक विधि-विधान, संस्कार शिविर, पाठशाला या गौशाला जैसे कार्यों में सेवा का अवसर मिले तो व्यक्ति को आगे बढ़कर सहयोग करना चाहिए।

दान में प्रदर्शन नहीं, समर्पण जरूरी

मुनि श्री ने कहा कि इतिहास में अनेक दानवीर हुए हैं, जिन्होंने अपनी सामर्थ्य को बड़े उद्देश्यों के लिए समर्पित किया। समाज में आज भी ऐसे लोग हैं जो बिना प्रचार और पहचान की अपेक्षा के धर्म और समाज के कार्यों में अपना द्रव्य लगाते हैं। आचार्य श्री की कृपा से भी ऐसे अनेक श्रद्धालु सामने आए, जिन्होंने बिना नाम की अपेक्षा के बड़े धार्मिक कार्यों में योगदान दिया। दान का महत्व प्रदर्शन में नहीं, समर्पण की भावना में है।

उन्होंने कहा कि पर्युषण और दशलक्षण पर्व के दौरान अनेक व्यापारी और नौकरी-पेशा लोग अपनी व्यस्तताओं से समय निकालकर परिवार सहित धर्मध्यान कर रहे हैं। धर्म के लिए समय निकालना भी त्याग है। जीवन में संकल्प लेकर उसे पूरा करना और परिवार को भी धर्म से जोड़ना त्याग की भावना को संस्कार में बदलने का माध्यम है।

संक्षिप्त समाचार

श्याम मेटलिक्स ने रक्तदान, बाढ़ राहत और कल्याणकारी पहलों के जरिये सामुदायिक विकास को दिया बढ़ावा

रायपुर : समुदाय के कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं और कर्मचारियों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत श्याम मेटलिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड ने कई सामाजिक पहल की हैं। कंपनी ने अपने परिचालन वाले क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य जरूरतों, कर्मचारियों के कल्याण और स्थानीय समुदायों की सहायता पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। स्वास्थ्य सेवा से जुड़े प्रयासों के तहत कंपनी ने आसनसोल ब्लड बैंक के सहयोग से जमुरिया, मंगलपुर और सीआरएम इकाइयों में रक्तदान शिविर लगाए। इनमें कर्मचारियों और अन्य हितधारकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। तीनों स्थानों पर कुल करीब 500 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस सामूहिक प्रयास से जरूरतमंद मरीजों के लिए महत्वपूर्ण रक्त संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने और जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग मिला। जमुरिया इकाई में करीब 300 यूनिट, मंगलपुर इकाई में 50 यूनिट और सीआरएम में आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान 150 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इन पहलों ने स्वैच्छिक रक्तदान और गंभीर स्वास्थ्य जरूरतों में सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। सामुदायिक जुड़ाव को आगे बढ़ाते हुए श्याम मेटलिक्स ने अंडाल स्थित एक अनाथालय में भी कल्याण कार्यक्रम आयोजित किया। यहां करीब 35 लाभार्थियों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई और 25 बच्चों को बैग वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के कल्याण और उनकी शैक्षणिक जरूरतों में सहयोग करने के साथ स्थानीय समुदाय के साथ सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देना था। कंपनी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए भी राहत अभियान चलाया। इसके तहत केंदुझरापाड़ा, संथापाड़ा और फिरिकिदांडी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में 400 राहत किट वितरित किए गए। इन राहत किट में मुश्किल परिस्थितियों से जूझ रहे परिवारों के लिए जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई गई। कुल मिलाकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करीब 500 पैकेट राहत सामग्री वितरित की गई, जो संकट के समय सामुदायिक जरूरतों के प्रति कंपनी की त्वरित सहायता को दर्शाता है।

वाराणसी के छात्र ने डॉक्यूमेंट समझने की चुनौती का समाधान तलाशा

रायपुर। क्या होगा अगर कोई ऐसा व्यक्ति जिसे किसी कानूनी, वित्तीयया सरकारी दस्तावेज़ पढ़ने में दिक्कत होती है, वहउस पर साइन करने से पहले समझ सके कि उसमें क्या लिखा है ? इससवाल ने युवा इनोवेटर अभिनव जायसवाल को एक तकनीकी समाधान तैयार करने के लिएप्रेरित किया, जिसका मकसद कमपढ़े-लिखे लोगों के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट को समझना आसान बनाना है।अभिनव, जोबलिया के छोटे से शहर में पले-बढ़े हैं और अब वाराणसी में रहते हैं, उनकेलिए जो एक रोज़मर्रा की समस्या से प्रेरित विचार के तौर पर शुरू हुआ था,वह धीरे-धीरे कुछ बड़ा होता जा रहा है। उनकेविचार ने उन्हें Samsung Solve for Tomorrow 2026 के टॉप 20में पहुंचा दिया है, जो युवाओं के लिए Samsung काफ्लैगशिप इनोवेशन प्रोग्राम है। यहां एक्सपर्ट्स से सलाह और बातचीत उन्हें यह सोचने में मदद कर रही है कि शुरुआती विचार को असल दुनिया के समाधानमें कैसे बदला जा सकता है — और शायद, समय के साथ, एक बड़ा वेंचरभी।

भीम पेमेंट्स ऐप ने MyUPI पेश किया

रायपुर। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी NPCI BHIM Services Limited (NBSL) ने आज भीम पेमेंट्स ऐप पर संवादात्मक AI-संचालित सहायक MyUPI लॉन्च करने की घोषणा की। MyUPI, BHIM उपयोगकर्ताओं को उनकी UPI से जुड़ी जरूरतों के लिए सरल और 24/7 बहुभाषी सहायता प्रदान करता है, जिससे भुगतान को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और आसानी से प्रबंधित करने में मदद मिलती है।उपयोगकर्ता एक ही स्थान परलेन-देन का इतिहास देख सकते हैं, शिकायत दर्ज कर उसका स्टेटस ट्रैक कर सकते हैं, किसी भी UPI ऐप के माध्यम से बनाए गए मैंडेट्स को देख और प्रबंधित कर सकते हैं, अपने मोबाइल नंबर को डी-लिंक कर सकते हैं तथा धोखाधड़ी से बचाव संबंधी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

ईंटों से घेरा आम रास्ता, थम गया लोगों का आवागमन

गौरवपथ वार्ड-05 में वर्षों पुराने रास्ते को बंद करने का आरोप, तहसीलदार के दरबार में पहुंची शिकायत

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गौरवपथ वार्ड क्रमांक-05 में वर्षों से लोगों के आवागमन के लिए उपयोग किए जा रहे आम रास्ते को ईंटों से घेरकर बंद किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पड़ोसी देवनाथ साहू ने 2 सितंबर 2026 की शाम ईंटों की दीवार खड़ी कर आम आवागमन का रास्ता बाधित कर दिया। रास्ता बंद होने के बाद आसपास के रहवासियों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मामले को लेकर नरेन्द्र प्रसाद तिवारी, दयाराम देवांगन, ईशांत देवांगन, जोहन बघेल, तोरण सागर, चुन्नीलाल केशरिया सहित अन्य आवेदकों ने तहसीलदार गरियाबंद को लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत में कथित रूप से बंद किए गए रास्ते को पूर्व स्थिति में बहाल करने और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है।

आवेदकों का कहना है कि संबंधित मार्ग का उपयोग आसपास रहने वाले लोग लंबे समय से आम आवागमन के लिए करते आ रहे हैं। आरोप है कि रास्ते को ईंटों से घेर दिए जाने के बाद लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने तथा आम रास्ते के उपयोग को बहाल कराने का आग्रह किया है।

शिकायत में आवेदकों ने भू-राजस्व संहिता की धारा 131 का उल्लेख करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आम रास्ते को पूर्ववत खुलवाने अथवा उसके उपयोग की अनुमति सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है।

आवेदन के साथ पूर्व में दिए गए आवेदन की पावती की छायाप्रति तथा कथित रूप से आम रास्ते पर किए गए अवरोध/अतिक्रमण स्थल के रंगीन छायाचित्र भी संलग्न किए गए हैं।

अब शिकायतकर्ताओं की नजर तहसील प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्थल निरीक्षण कर रास्ते की वास्तविक स्थिति सामने लाने और नियमानुसार उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

वहीं, मामले को लेकर नगर पालिका परिषद गरियाबंद की सीएमओ संध्या वर्मा से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सीआरएस निरीक्षण की मंजूरी मिली तो ताड़ोकी से आगे बढ़ेगी ट्रेन, लागत बढ़कर 1,628 करोड़ पहुंची

33 साल का इंतजार खत्म होने की ओर रावघाट तक यात्री ट्रेन अक्टूबर से संभव

राजेश दनानी

जगदलपुर। बस्तर की रेल कनेक्टिविटी का 33 साल पुराना इंतजार अब रावघाट तक पहुंच गया है। दल्लीराजहरा रावघाट-जगदलपुर की करीब 240 किमी रेल परियोजना के पहले चरण के अंतिम स्टेशन रावघाट में निर्माण कार्य अंतिम दौर में है। स्टेशन पर फिनिशिंग और यात्री सुविधाओं का काम पूरा किया जा रहा है। अब 22 सितंबर को प्रस्तावित कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) का निरीक्षण इस परियोजना के लिए अहम पड़ाव होगा।

अब अगर सुरक्षा मंजूरी मिलती है तो अक्टूबर में ताड़ोकी के आगे रावघाट तक रेल सेवा बढने् का रास्ता साफ हो सकता है। 1993 में देखी गई रेल कनेक्टिविटी की परिकल्पना अब रावघाट की पटरी तक पहुंच चुकी है। बता दें, करीब 95 किमी के पहले चरण में गुदुम भानुप्रतापपुर, केवटी, अंतागढ़ और ताड़की तक यात्री सेवा शुरू हो चुकी है। फिलहाल ट्रेन दल्लीराजहरा से ताड़ोकी तक चलती है। सुरक्षा कारणों से ताड़ोकी पहुंचने के बाद रावघाट रेलवे स्टेशन में फिनिशिंग का काम जारी।

ट्रेन अंतागढ़ लौटती है और रात में वहीं ठहरती है। रावघाट स्टेशन शुरू होने के बाद ट्रेन को आगे बढ़ाने की तैयारी है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ट्रेन रायपुर से रावघाट तक चल सकती है। वापसी में रावघाट से के लिए रवाना होगी और रावघाट में रात में ठहराव की व्यवस्था किए जाने की संभावना है। करीब डेढ़ किमी क्षेत्र में फैले रावघाट स्टेशन परिसर में यात्री सुविधाओं के साथ कर्मचारियों की आवासीय कॉलोनी और रेलवे पुलिस थाना भी तैयार किया गया है। सीआरएस टीम रेल लाइन, ट्रैक, स्टेशन भवन, सिग्नलिंग, संचालन व्यवस्था और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मानकों की जांच करेगी। सभी मानक पूरे पाए जाने और स्वीकृति मिलने के बाद यात्री ट्रेन संचालन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। 1993 में मंजूरी, 2010-11 में शुरू हुआ निर्माण दल्लीराजहरा रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना करीब 240 किमी लंबी है। वर्ष 1993 में इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिली थी। वर्ष 2007 में रेलवे, एनएमडीसी और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच समझौते के बाद 2010-11 में निर्माण शुरू हुआ। पहले चरण में करीब 95 किमी रेल लाइन तैयार की गई। अब रावघाट इस चरण का अंतिम स्टेशन होगा। रावघाट तक रेल पहुंचने से नारायणपुर और आसपास के क्षेत्रों को सड़क के साथ रेल परिवहन का विकल्प मिलेगा। प्रस्तावित रावघाट-जगदलपुर रेल खंड में नारायणपुर और रावघाट के बीच बरंडा स्टेशन बनाया जाना प्रस्तावित है। यानी नारायणपुर के बाद रावघाट से पहले बरंडा स्टेशन होगा। स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के लिए रायपुर-दुर्ग जैसे शहरों तक आवागमन आसान होने की उम्मीद है। वहीं रावघाट क्षेत्र के लौह अयस्क को भिलाई स्टील प्लांट तक पहुंचाने में रेल सुविधा मिलने से माल ढुलाई और औद्योगिक गतिविधियों को भी गति मिल सकती है।

त्योहारी सीजन: माल की नियमित 7 आपूर्ति बहाल कराने की रखी मांग

मुख्य मार्ग व्यापारी कल्याण समिति ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर। मालवाहक परिवहन और गैरेज की हड़ताल के चलते रायपुर से बस्तर में माल की नियमित आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। इससे स्थानीय बाजार में आवश्यक सामान के स्टॉक की कमी की स्थिति बनने लगी है। त्योहारी सीजन नजदीक होने के कारण व्यापारियों ने इसे लेकर चिंता जताई है। इसी सिलसिले में मंगलवार को मुख्य मार्ग व्यापारी कल्याण समिति ने बस्तर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर संबंधित पक्षों के बीच जल्द बैठक कराकर माल परिवहन व्यवस्था सुचारु कराने की मांग की।

समिति ने ज्ञापन में बताया कि जगदलपुर सहित पूरे बस्तर के व्यापारियों का कारोबार मुख्य रूप से रायपुर से होने वाली माल आपूर्ति पर निर्भर है। विगत कई दिनों से मालवाहक परिवहन और गैरेज की हड़ताल के कारण रायपुर से माल की नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही है। लगातार आपूर्ति बाधित होने से व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और इसका सीधा असर स्थानीय बाजार एवं व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। व्यापारियों ने कहा कि आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए बाजार में पर्याप्त स्टॉक होना बेहद जरूरी है। यदि परिवहन व्यवस्था जल्द सामान्य नहीं हुई तो व्यापारियों के साथ ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ सकती है। वहीं माल की आपूर्ति बाधित रहने से स्टॉक की कमी के कारण आवश्यक वस्तुओं के दाम बढने् की आशंका भी बनी हुई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान समिति के अध्यक्ष मदन कोटवानी, संरक्षक नवीन मूलचंदानी, सह सचिव कमल चांडक, दीपक कोटवानी सहित अन्य व्यापारी उपस्थित थे।

रिमझिम बारिश के बीच जगदलपुर में गूंजा स्वच्छता का संदेश

सांसद महेश कश्यप और महापौर संजय पाण्डे ने नया बस स्टैंड में की सफाई

जगदलपुर/ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा के तहत बुधवार को शहर के नया बस स्टैंड परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। मौसम की रिमझिम बारिश के बावजूद जनप्रतिनिधियों और स्वच्छाग्रहियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप और महापौर श्री संजय पाण्डे की अगुवाई में आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा स्वच्छाग्रहियों ने बस स्टैंड परिसर में झाड़ू थामकर साफ-सफाई की और कचरा एकत्र कर स्वच्छता का सशक्त संदेश दिया। अभियान के दौरान सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का संस्कार बनना चाहिए। सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं महापौर श्री संजय पाण्डे ने नगरवासियों से अपील की कि वे बस स्टैंड जैसे व्यस्त सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और स्वच्छता ही सेवा के संकल्प को साकार करें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और निगम के स्वच्छाग्रही उपस्थित रहे, जिन्होंने वर्षा के बीच भी पूरे परिसर की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

ऑनलाइन ठगी से बचें, सतर्क रहें: युवा उड़ान कार्यक्रम में गरियाबंद पुलिस ने दी साइबर सुरक्षा की सीख

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत 23 सितंबर 2026 को इनडोर स्टेडियम, गरियाबंद में पुलिस द्वारा विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले में संचालित युवा उड़ान कार्यक्रम के दौरान युवाओं को तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी के तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने युवाओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने तथा अनजान लिंक, संदिग्ध मैसेज और अज्ञात स्रोतों से प्राप्त फाइलों से सावधान रहने की सलाह दी। युवाओं को बताया गया कि साइबर ठग विभिन्न माध्यमों से लोगों को अपने जाल में फंसाकर आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के लिए पुलिस ने स्पष्ट किया कि OTP, UPI PIN, ATM PIN, CVV और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। बैंक अधिकारी या कोई अन्य संस्था बनकर जानकारी मांगने वाले संदिग्ध कॉल से भी सावधान रहने की अपील की गई।

फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनजान लोगों से दोस्ती करने, निजी तस्वीरें साझा करने तथा सोशल मीडिया प्रोफाइल की सुरक्षा संबंधी सेटिंग्स को नजरअंदाज करने से होने वाले खतरों के बारे में भी युवाओं को जागरूक किया गया। पुलिस ने सोशल मीडिया अकाउंट में सुरक्षा एवं प्राइवेसी सेटिंग्स का उपयोग करने की सलाह दी।

पुलिस ने युवाओं को विशेष रूप से चेताया कि साइबर ठग बोर्ड परीक्षा परिणाम, नौकरी, पार्ट-टाइम जॉब और घर बैठे कमाई जैसे आकर्षक ऑफर का झांसा देकर ठगी कर सकते हैं। ऐसे किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज पर भरोसा नहीं करने तथा अज्ञात APK फाइल या संदिग्ध लिंक डाउनलोड नहीं करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में युवाओं को साइबर अपराध की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई। आपात स्थिति में 112 पर संपर्क करने तथा नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की अपील भी की गई।

गरियाबंद पुलिस ने आम नागरिकों और युवाओं से अपील की कि सोशल मीडिया के उपयोग एवं डिजिटल लेन-देन के दौरान पूरी सतर्कता बरतें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या साइबर धोखाधड़ी की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

नाकाबंदी में पकड़े गए तीन आरोपी, 8 हीरे और पल्सर समेत 1.83 लाख का माल जब्त

गरियाबंद (विश्व परिवार)। अवैध गांजा, शराब एवं हीरा के परिवहन और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत छुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 8 नग बहुमूल्य खनिज पदार्थ हीरा, एक पल्सर मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 1 लाख 83 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना छुरा पुलिस को 22 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि बजाज पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एलए 5325 में तीन व्यक्ति रसेला-खरखरा मार्ग से बहुमूल्य खनिज पदार्थ हीरा लेकर परिवहन कर रहे हैं।

सूचना पर पुलिस टीम तत्काल रसेला-खरखरा मार्ग स्थित देवरी-धामनडीह तिराहा मोड़ के पास पहुंची और नाकाबंदी की। कुछ देर बाद बताए गए हुलिए के अनुसार तीन व्यक्ति पल्सर मोटरसाइकिल से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर गवाहों के समक्ष तलाशी ली।

तलाशी के दौरान लिलेश्वर नायक के कब्जे से सफेद कागज में लिपटे 3 नग चमकीले पत्थर, हेमकुमार यादव के कब्जे से 3 नग तथा पुरण नायक के कब्जे से 2 नग बहुमूल्य खनिज पदार्थ बरामद हुए। पुलिस ने इन पत्थरों को हीरा बताते हुए कुल 8 नग, अनुमानित कीमत 80 हजार रुपये, जब्त किए।

इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से बजाज पल्सर मोटरसाइकिल कीमत करीब 90 हजार रुपये तथा ओप्पो, लावा और विवो कंपनी के तीन मोबाइल फोन कीमत करीब 13 हजार रुपये भी जब्त किए गए। इस तरह जब्ती की कुल कीमत 1 लाख 83 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस ने मामले में लिलेश्वर नायक (26), हेमकुमार यादव (65) और पुरण नायक (33) को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के विरुद्ध धारा 303(2), 3(5) बीएनएस तथा 21(4), 21(1) माइनिंग एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपीः लिलेश्वर नायक, उम्र 26 वर्ष, निवासी मेड़की डबरी, थाना छुरा, जिला गरियाबंद। हेमकुमार यादव, उम्र 65 वर्ष, निवासी सड़क परसुली, थाना गरियाबंद, जिला गरियाबंद।

पुरण नायक, उम्र 33 वर्ष, निवासी मेड़की डबरी, थाना छुरा, जिला गरियाबंद।

छत्तीसगढ़ की दूरियां घटेंगी, विकास की रफ्तार बढ़ेगी : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

■ मॉडिफाइड उड़ान योजना के नए चरण के लिए भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के बीच महत्वपूर्ण समझौता

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मॉडिफाइड उड़ान योजना के नए चरण के अंतर्गत भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के बीच हुए समझौते को विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश की भौगोलिक दूरियां घटेंगी और विकास की रफ्तार बढ़ेगी। नई दिल्ली में हुए इस समझौते पर छत्तीसगढ़ शासन की ओर से विमानन सचिव श्री मुकेश बंसल ने हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि बेहतर हवाई संपर्क का लाभ बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों और दूरस्थ अंचलों तक भी पहुंचे। इस समझौते से प्रदेश में नए हवाई संपर्क, हवाई पट्टियों के विकास और दूरस्थ क्षेत्रों में हेली-कनेक्टिविटी के विस्तार की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई संपर्क से नागरिकों का आवागमन सुगम होगा और पर्यटन, व्यापार, निवेश तथा रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। प्रदेश के प्राकृतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। दूरस्थ क्षेत्रों में हेली-कनेक्टिविटी का विस्तार आपातकालीन चिकित्सा सहायता, आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी उपयोगी होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नागर विमानन मंत्री श्री राम मोहन नायडू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ देश के विस्तारित होते विमानन नेटवर्क से और मजबूती से जुड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि मॉडिफाइड उड़ान योजना के अंतर्गत देश में मौजूदा अनुपयोगी हवाई पट्टियों से 100 हवाई अड्डे तथा दूरस्थ क्षेत्रों में 200 आधुनिक हेलीपैड विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चिमरा-बरभांवर मार्ग निर्माण का किया गया निरीक्षण

■ सड़क निर्माण की हर परत की हुई जांच, सभी परीक्षणों के परिणाम संतोषजनक

■ चिमरा-बरभांवर सड़क के डामरीकरण को कुछ लोगों द्वारा जानबूझकर उखाड़ा

कवर्धा (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कबीरधाम जिले में निर्माणाधीन ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, कवर्धा द्वारा चिमरा मेनरोड से बरभांवर मिडिल स्कूल मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का परीक्षण किया गया, जिसमें निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप पाया गया।

कार्यपालन अभियंता श्री विकास कुमार कौशिक ने बताया कि पैकेज क्रमांक सीजी-09-134 के अंतर्गत स्वीकृत इस सड़क की कुल लंबाई 3.00 किलोमीटर है। सड़क निर्माण के लिए वर्ष 2023-24 में स्वीकृति प्रदान की गई है तथा अनुबंध राशि 218.18 लाख रुपए है। निर्माण कार्य मे. एन.सी. नाहर, दुर्ग द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सड़क के आर.डी. 0 मीटर से 653 मीटर तक सीसी सड़क, 653 से 863 मीटर तक बीटी सड़क, 863 से 967 मीटर तक सीसी सड़क तथा 967 से 1070 मीटर तक बीटी सड़क का कार्य पूर्ण है। आर.डी. 1070 से 1295 मीटर तक निजी भूमि की वजह से कार्य नहीं किया गया है। वहीं 1295 से 1534 मीटर तक डब्ल्यूबीएम जी-3 का कार्य पूर्ण पाया गया। आर.डी. 1534 से 1634 मीटर तक पूर्व पंचायत द्वारा निर्मित सीसी सड़क तथा 1634 से 3000 मीटर तक बीटी सड़क पाई गई।

रायपुर-बलौदा-सारंगढ़ फोरलेन सिर्फ कागजों और क्रेडिट तक ही सीमितः कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय सड़क परियोजनाओं पर केवल श्रेय की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि रायपुर- बलौदाबाजार-सारंगढ़ फेरलेन, एनएच-130 बी, छत्तीसगढ़ की उन प्रमुख सड़क परियोजनाओं में से एक है जिसका श्रेय तो भाजपा की डबल इंजन सरकार विगत ढाई वर्षों से लगातार ले रही है, लेकिन धरातल पर काम दिख नहीं रहा है। जुलाई 2024 से यह सरकार बार-बार जनता को बड़ी सौगात देने का अहसान जता रही है, लेकिन काम की रफ्तार कछुए से भी धीमी है। सवा दो साल में तो सड़क का निर्माण पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन अब तक यह सरकार सर्वे, डीपीआर और अधिग्रहण का काम तक पूरा नहीं कर पाई है। सरकार के खोखले वायदे और झूठे दावों से स्थानीय जनता में बेहद आक्रोश है, लंबे समय तक यह परियोजना धरातल पर आने के बजाय सिर्फ 'कागजों और क्रेडिट' तक ही सीमित रही है, जिसके चलते असंतोष बढ़ रहा है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में तमाम केंद्रीय योजनाओं का लगभग यही हाल है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने रायपुर से राजनांदगांव होकर हैदराबाद नया हाईवे बनाने के नाम पर वोट मांगा, स्वीकृति का भी दावा किया और चुनाव जीतने के बाद उस परियोजना को ही अकारण निरस्त कर दिया। नया रायपुर अटल नगर में नए एम्स के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय से ही जमीन अधिग्रहित करके केंद्र को सौंपी जा चुकी है लेकिन आज तक निर्माण शुरू ही नहीं किया गया, अब तक एक ईंट नहीं रखी गई है। छत्तीसगढ़ की जनता ने लोकसभा में भाजपा के 10 सांसदों को चुनकर भेजा है लेकिन जब छत्तीसगढ़ के हक और अधिकारों की बात आती है तो भाजपा के नेता दलीय चाटुकारिता में मौन हो जाते हैं।

सेवा संकल्प एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भिलाई में निकली स्वच्छता रैली

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के सभी जोन क्षेत्रों में सेवा संकल्प एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रैली एवं विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने घर, मोहल्ले एवं आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया गया।

अभियान के दौरान निगम के विभिन्न जोन क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, तालाबों एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। निगम के अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता कर्मी तथा स्थानीय नागरिकों ने अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। सफाई के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर एकत्र कचरा, अपशिष्ट एवं अन्य गंदगी को हटाकर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। स्वच्छता रैली के दौरान नागरिकों को समझाइश दी गई कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएं तथा कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें। निगम की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नागरिकों से सहयोग करने की अपील भी की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा शहर को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

निगम प्रशासन ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई के निर्माण में नागरिकों की सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है। स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी नागरिक अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, गीला एवं सूखा कचरा अलग.अलग कर निर्धारित स्थान पर ही दें तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से बचें।

पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह दिवंगत आरक्षक के पुत्र को दी अनुकम्पा नियुक्ति

■ पुलिस कप्तान ने स्वयं संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित विभागीय कार्यवाही पूर्ण कराई

जशपुर (विश्व परिवार)। एसडीओपी कार्यालय जशपुर में पदस्थ आरक्षक देव नारायण सिंह का स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्हें उपचार हेतु बालाजी हॉस्पिटल रायपुर में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान दिनांक 11.09.2026 को उनका देहावसान हो गया।

स्व. आरक्षक देव नारायण सिंह की वर्ष 2007 में जिला पुलिस बल जशपुर में आरक्षक के पद पर नियुक्ति हुई थी। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने रक्षित केंद्र जशपुर, थाना सन्ना, सिटी कोतवाली जशपुर, एसडीओपी कार्यालय कुनकुरी एवं एसडीओपी कार्यालय जशपुर में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। दिवंगत आरक्षक के निधन की सूचना के बाद डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा उनके परिवार की स्थिति एवं भविष्य को लेकर संवेदनशीलता दिखाते हुए अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी विभागीय कार्यवाही को प्राथमिकता के साथ त्वरित गति से पूर्ण कराया गया।

इसी क्रम में आज दिनांक 23.09.2026 को दिवंगत आरक्षक स्व. देव नारायण सिंह की तेरहवीं के अवसर पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह स्वयं उनके परिवार से मिलने उनके गृह ग्राम पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की तथा मृत आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और दिवंगत आरक्षक के पुत्र बोनी प्रसाद सिंह को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति का नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर पुलिस कप्तान डॉ. लाल उमेद सिंह ने दिवंगत आरक्षक देव नारायण सिंह की सेवाओं को स्मरण करते हुए कहा कि पुलिस विभाग में सेवा देने वाला प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी जशपुर पुलिस परिवार का अभिन्न अंग है।

महापौर ने गणेश विसर्जन झांकी पंडाल की व्यवस्था का किया निरीक्षण

■ महापौर निगम के पंडाल से गणेश विसर्जन झांकियों का पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत करेंगी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग द्वारा राजधानी शहर रायपुर में जयस्तंभ चौक के पास लगायी जाने वाली श्री गणेश विसर्जन झांकी पंडाल की प्रशासनिक व्यवस्था की प्रगति का वहां पहुंचकर प्रत्यक्ष अवलोकन किया एवं संबंधित नगर निगम जोन 4 अधिकारियों को पंडाल की व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। महापौर नगर निगम संस्कृति विभाग के गणेश विसर्जन झांकी पंडाल से दिनांक 27 सितम्बर 2026 की रात्रि को निकलने वाली श्री गणेश विसर्जन झांकियों का पुष्पवर्षा कर रायपुर शहर में आत्मीय स्वागत करेंगी.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निरीक्षण के दौरान नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, ब्राम्हणपारा वार्ड के पार्षद श्री अजय साहू सहित नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता श्री शेखर सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण की उपस्थिति रही।

पलारी में आवारा कुत्तों की दहशत 13 लोगों को एक ही दिन में काटकर घायल किया

पलारी। पलारी नगर पंचायत क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से आवारा कुत्तों की हमले की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है पलारी नगर में ही 13 और लक्षण पुर गांव में 11 मासूम बच्चों को आवारा कुत्तों की काटने की घटना के मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने तत्काल प्रभाव से आवारा कुत्तों के टीकाकरण के निर्देश जारी किए इसके बाद नगर पंचायत रोहांसी के मुख्य नगर पंचायत अधिकारी राजीव रंजन श्रीवास्तव ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पशु चिकित्सा विभाग की टीम के साथ मिलकर नगर क्षेत्र में घूम रहे आवारा कुत्तों को पकड़ कर उनका टीकाकरण कराया सीएमओ राजीव रंजन श्रीवास्तव ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर बिना देरी किए अभियान शुरू किया गया जिसमें नगर के विभिन्न वार्डों और सार्वजनिक स्थलों से आवारा कुत्तों को चिन्हित कर पकड़ा गया और उन्हें आवश्यक टीके लगाए गए उन्होंने बताया कि आवारा कुत्तों के हमले के बाद लोगों में डर का माहौल था जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने कुत्तों को पकड़कर टीकाकरण किया गया।

सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न, अभियान को प्रभावी बनाने पर हुई विस्तृत चर्चा

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी जिला बलौदाबाजार के कार्यालय में सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के अंतर्गत अब तक किए गए सेवा कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश एवं कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

बैठक में श्याम बिहारी जायसवाल मंत्री, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा डॉ. सनम जांगड़े, भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव, संभाग प्रभारी डॉ. राजीव जी जिला प्रभारी अमित कुमार साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, तथा डॉ. अजय राव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर सेवा, जनसंपर्क एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने अभियान की प्रगति की जानकारी लेते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया।

वक्ताओं ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। जनता के बीच में जाए जनता को याद दिलाने के लिए मोदी जी के द्वारा कार्यो को बताना है सेवा संकल्प अभियान में सभी 13 कार्यक्रम की समीक्षा की गई

कोरबा के प्रथम पीपल-वट उद्यान में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया वृक्षारोपण

■ पीपल-वट उद्यान को हरा-भरा एवं आकर्षक बनाने के साथ बच्चों के लिए मनोरंजन सुविधाएं विकसित करने पर दिया जोर

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज कोहड़िया स्थित कोरबा के प्रथम पीपल-वट उद्यान में वृक्षारोपण किया। उन्होंने उद्यान को निरंतर विकसित करते हुए हरा-भरा और सुंदर बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह उद्यान नागरिकों के लिए प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने का बेहतर स्थान बने तथा यहां आने वाले लोगों को पेड़-पौधों की छाया और बच्चों को मनोरंजन एवं खेलकूद की सुविधाएं भी मिलें। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन और विधायक श्री प्रेमचंद पटेल भी इस दौरान मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि पीपल-वट उद्यान को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप दिया जाए। यहां अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जाए, ताकि आने वाले वर्षों में विकसित पेड़-पौधे नागरिकों को शीतल छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकें। उन्होंने उद्यान में बच्चों के लिए आवश्यक मनोरंजन एवं खेलकूद के साधन विकसित करने की आवश्यकता भी बताई।

कलिंगा विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक जीत

■ युवा उत्सव 5.0 में 20 खिताबों और अधिकतम भागीदारी पुरस्कार के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया!

रायपुर (विश्व परिवार)। युवा उत्सव 5.0 CII यंग इंडियंस (Yi) द्वारा आयोजित एक प्रमुख वार्षिक युवा सम्मेलन है, जो उद्यमिता, नवाचार, एआई, नेतृत्व और वित्तीय साक्षरता पर केंद्रित है। वन भारत स्पिरिट के संकल्प के तहत इस सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं को उद्यमिता, नवाचार और नेतृत्व की ओर प्रेरित करना था, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती हुई तकनीकों तथा स्टार्टअप और वित्तीय सशक्तिकरण के अवसरों पर जोर दिया गया। यंग इंडियंस (Yi) रायपुर (कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री - CII का युवा विंग) द्वारा आयोजित 5 दिवसीय अंतर-विश्वविद्यालय उत्सव युवा उत्सव 5.0 (चैंपियंस कार्निवल 2026) में कलिंगा विश्वविद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। कलिंगा विश्वविद्यालय के 765 छात्रों के एक दल ने 8 सितंबर से 12 सितंबर 2026 तक राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के परिसरों में आयोजित खेल, बौद्धिक और कलात्मक प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। असाधारण कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन करते हुए, कलिंगा विश्वविद्यालय ने कुल 20 खिताब जीतकर समग्र प्रतियोगिताओं में शीर्ष सम्मान प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय जीत के अलावा, विश्वविद्यालय को उत्सव में सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भेजने के लिए प्रतिष्ठित 'मैक्सिमम पार्टिसिपेशन अवार्ड' से भी सम्मानित किया गया। दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य समापन और पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि, माननीय उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने विजेता छात्रों को सम्मानित किया। समारोह के दौरान कलिंगा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले Yi समन्वयक डॉ. योगेश वैष्णव और शारीरिक शिक्षा के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार यादव को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विजेता - खेल प्रतियोगिताएं: क बास्केटबॉल (बालिकाएं): कलिंगा विश्वविद्यालय ने एमिटी यूनिवर्सिटी को हराया क बास्केटबॉल (बालक): कलिंगा विश्वविद्यालय ने एमिटी यूनिवर्सिटी को हराया क कैरम (डबल्स): श्री दिव्यांश महाराना और श्री कुलदीप रजक (कलिंगा विश्वविद्यालय) ने श्री दिव्यांश देवांगन और श्री अभिनीत सिहोर (SSIPMT) को हराया कशतरंज: सुश्री अनुष्का झा (कलिंगा विश्वविद्यालय) ने ITM के खिलाड़ी को हराया क फुटबॉल: कलिंगा विश्वविद्यालय ने MATS यूनिवर्सिटी को हराया करस्साकशी (बालक): कलिंगा विश्वविद्यालय ने MATS यूनिवर्सिटी को हराया करस्साकशी (बालिकाएं): कलिंगा विश्वविद्यालय ने ITM को हराया कबैडमिंटन (बालिकाएं): सुश्री नम्रता चतुर्वेदी (कलिंगा विश्वविद्यालय) ने ITM को हराया।

कैट ने वित्त मंत्री को लिखा पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि व्यापारियों के शीर्ष संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने केंद्रीय वित्त मंत्री एवं अध्यक्ष, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को एक औपचारिक ज्ञापन भेजकर आकलन वर्ष 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि को 2 महीने आगे बढ़ाने का पुरजोर आग्रह किया है।

CGHIDB
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
संभाग-03 रायपुर (छ.ग.)
निविदा आमंत्रण सूचना
विज्ञापन क्र. 402
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संभाग-03 मौलश्री विहार रायपुर के अंतर्गत निक्षेप कार्य के तहत प्रधानमंत्री जनमन योजनांतर्गत विकासखण्ड-मैनपुर, ग्राम-तौरेंगा, जिला-गरियाबंद में पी.व्ही.टी.जी.एस. विद्यार्थियों के लिए 01 नग 50 सीटर छात्रावास का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल की वेबसाईट www.cghb.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यालयीन समय पर कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संभाग-03 मौलश्री विहार रायपुर में संपर्क कर सकते है।
Samvad- 49142/3
कार्यपालन अभियंता
मो.नं. 9753266721

सूचना
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा हीरा पॉवर एण्ड स्टील्स् लिमिटेड, खसरा नंबर 156, 500, 508, 509, 510, 511/1, 511/2, 512/1, 512/2, 513/1- 513/5 एवं अन्य, उरला, औद्योगिक क्षेत्र, रायपुर, छत्तीसगढ़ को पत्र संख्या J-11011/836/2008-IA.II(I) दिनांक 18/09/2026 के माध्यम से फेरो एलॉयज संयंत्र की क्षमता को 64,000 TPA टन प्रति वर्ष से 88,000 TPA टन प्रति वर्ष तथा विद्युत ताप संयंत्र को 20MW से 28 MW प्रति वर्ष तक दो चरणों में विस्तार करने के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। पर्यावरण स्वीकृति की प्रति पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के पोर्टल http://parivesh.nic.in और कंपनी की वेबसाइट http://hpslindia.com पर उपलब्ध है।
हीरा पॉवर एण्ड स्टील्स् लिमिटेड
खसरा नंबर 511/1, 512/2
और अन्य, उरला औद्योगिक क्षेत्र,
रायपुर-492003, छत्तीसगढ़

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 24 सितम्बर 2026

नगर निगम में मेयर इन काउंसिल की बैठक आहुत

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के आदेशानुसार नगर पालिक निगम की मेयर इन काउंसिल एमआईसी की बैठक नगर निगम सचिवालय द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 2026 शुक्रवार को दोपहर 1 बजे रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष क्रमांक 405 में आहुत की गयी है।

आयुर्वेद भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

■ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को भी दे रहे बढ़ावा

रायपुर (विश्व परिवार)। रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाकर उसके परिवार के लिए नई उम्मीद बन सकता है। आज बड़ी संख्या में माताओं-बहनों, युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों का रक्तदान, देहदान और अंगदान के लिए आगे आना सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक दायित्व की प्रेरणादायी मिसाल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन, रक्तदान महाकुंभ एवं वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित करते समय यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं दीं और रक्तदान, देहदान एवं अंगदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों के सेवा भाव की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा और जनकल्याण के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा का यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ रहा है। रक्तदान से लेकर जरूरतमंद बच्चों के लिए पुस्तक, खिलौने और स्टेशनरी एकत्रित करने तक अनेक गतिविधियां इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर आयोजित आयुर्वेद सेवा सम्मेलन और रक्तदान महाकुंभ इसी सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है। विशेष रूप से इतनी बड़ी संख्या में माताओं-बहनों का रक्तदान के लिए आगे आना अत्यंत प्रेरणादायी है। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की है। इस ऐतिहासिक पहल का गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

रक्तदान महाकुंभ में सेवा और जनभागीदारी की ऐतिहासिक तस्वीर देखने को मिली। आयोजन के लिए 3600 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान हेतु पंजीयन कराया था और रक्तदान के लिए 200 बेड की व्यवस्था की गई। एक ही दिन में 1000 से अधिक महिलाओं के रक्तदान की पहल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

व्यक्ति का चरित्र उसके शब्दों से नहीं, बल्कि उसके कार्यों और व्यवहार से निर्मित होता है : श्रीवास्तव

■ मैक में दीक्षा एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक) के रोवर टीम एवं रेंजर टीम द्वारा 23 सितंबर 2026 को महाविद्यालय के सभागार में दीक्षा समारोह एवं शपथ ग्रहण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष, छ.ग. राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड तथा विषिश्ट अतिथि श्री इंद्रजीत सिंह खालसा, मुख्य आयुक्त, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के साथ श्री राजेष अग्रवाल प्रेसिडेंट रोवर एवं रेंजर मैक एवं राज्य कार्यकारिणी अध्यक्ष उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नवदीक्षित रोवर एवं रेंजर सदस्यों ने सेवा, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए शपथ ग्रहण की। सर्वप्रथम महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विकसित भारत षीर्शक पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतिकरण किया। साथ ही मैक म्यूजिक एव छत्तीसगढ़ी नृत्य प्रस्तुति की गई। इस कार्यक्रम के दौरन मैक रोवर-रेंजर की नई कार्यकारिणी का षपथ ग्रहण हुआ, प्रेसिडेंट रोवर लाभ पुजारा, सेक्रेटरी हुमायरा फातिमा बने।

मुख्य अतिथि श्री संजय श्रीवास्तव जी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को सेवा, सहयोग एवं जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने रोवर-रेंजर की नवगठित कार्यकारिणी को उत्साहपूर्वक कार्य करने तथा विद्यार्थियों से विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया।

विषिश्ट अतिथि श्री इंद्रजीत सिंह खालसा जी ने कहा की रोवर-रेंजर के शपथ ग्रहण समारोह की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को समाज एवं जनसेवा के प्रति सेवा, जिम्मेदारी और समर्पण की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सघन टिकट जांच अभियान, 43,710 मामलों में कार्रवाई

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिना टिकट एवं अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के साथ-साथ बिना उचित प्राधिकार अथवा निर्धारित नियमों के विरुद्ध सामान/लगेज ले जाने वाले यात्रियों के विरुद्ध भी लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के प्रति जागरूक करने तथा रेलवे राजस्व की सुरक्षा के उद्देश्य से बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडलों में विशेष एवं नियमित टिकट जांच अभियान संचालित किए जा रहे हैं।

दिनांक 01 सितम्बर 2026 से 20 सितम्बर 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में चलाए गए टिकट जांच अभियानों के दौरान कुल 43,710 मामलों में कार्रवाई की गई तथा रेलवे द्वारा 3,13,15,499/- रुपए की आय अर्जित की गई।

टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट एवं बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध रेलवे नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई। टिकट जांच दलों द्वारा प्रमुख स्टेशनों के साथ-साथ विभिन्न ट्रेनों में भी नियमित रूप से जांच की जा रही है।

बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान का संचालन

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम बीरगांव के आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा के निर्देशन में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आज निगम क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई के साथ-साथ सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को रोकने एवं स्वच्छता के प्रति नागरिकों को जागरूक करने का कार्य किया गया।

स्वच्छता दीदियों द्वारा घर-घर जाकर नागरिकों को 4-वे सेग्रीगेशन के संबंध में जानकारी दी गई। नागरिकों को गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनेटरी वेस्ट एवं विशेष देखभाल योग्य कचरे को अलग-अलग रखने तथा कचरा संग्रहण वाहन में निर्धारित श्रेणी के अनुसार कचरा देने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही नागरिकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, प्लास्टिक के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने तथा अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया गया।

आयुक्त श्री उर्वशा ने नागरिकों से अपील की कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि इसे अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाएं और स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बीरगांव के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

रायपुर स्टेशन के आरक्षण केंद्र के पास स्थित दोपहिया पार्किंग होगी स्थानांतरित

■ एक्सप्रेस-वे के पास उपलब्ध कराई गई है दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेलवे स्टेशन के शहर साइड में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास एवं निर्माण कार्यों के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आरक्षण केंद्र के पास स्थित दोपहिया वाहन पार्किंग स्थल को आगामी दिनों में एक्सप्रेसवे के पास स्थानांतरित किया जा रहा है।

यात्रियों की सुविधा के लिए रायपुर स्टेशन के शहर साइड में एक्सप्रेसवे के पास दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आरक्षण केंद्र के समीप वर्तमान दोपहिया पार्किंग स्थल को निर्माण कार्यों के लिए खाली किया जा रहा है।

रेलवे द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि पार्किंग स्थल के स्थानांतरण के बाद अपने दोपहिया वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें। यात्री स्टेशन परिसर अथवा अन्य अनधिकृत स्थानों पर अपने वाहन पार्क करने से बचें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों की सुविधा के लिए गुढ़ियारी छोर पर भी पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। शहर साइड में गेट नंबर 01 के पास प्रीमियम दरों पर पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

अभियंता दिवस पर 25 सेवानिवृत्त वरिष्ठ अभियंताओ को सम्मानित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। संगी मितान सेवा समिति रायपुर द्वारा अभियंता दिवस के अवसर पर रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के चतुर्थ तल नगर निगम सामान्य सभा सभागार में रायपुर नगर पालिक निगम के सेवानिवृत्त 25 वरिष्ठ अभियंताओ का शॉल, श्रीफ्ल स्मृति चिन्ह देकर मंच पर सम्मानित किया गया। संगी मितान सेवा समिति रायपुर की ओर से सेवानिवृत्त वरिष्ठ अभियंताओं का सम्मान नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी एवं आयुक्त संबित मिश्रा ने किया एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ अभियंताओं का सुखमय सुदीर्घ, स्वस्थ, समृद्ध जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संगी मितान सेवा समिति रायपुर के अध्यक्ष नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के कार्यपालन अभियंता निशीकांत वर्मा सहित अन्य अभियंता पदाधिकारीगण की मंच पर उपस्थिति रही।

अभियंता दिवस के अवसर पर संगी मितान सेवा समिति रायपुर की ओर से मंच पर नगर निगम मुख्यालय सामान्य सभा सभागार में महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, नेताप्रतिपक्ष आकाश तिवारी एवं आयुक्त संबित मिश्रा ने सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता यूके घलेन्द्र, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता सर्वश्री राकेश गुप्ता, हेमंत शर्मा, बद्री चंद्राकर, संतोष पाण्डेय, सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता सर्वश्री एस.पी. त्रिपाठी, हरेन्द्र कुमार साहू, हेमंत सोलंकी, रघुमणी प्रधान, संजय शर्मा, राकेश अवधिया, एवं अन्य सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों का श्रीफ्ल, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया।

संघर्ष से कक्षाओं तक आस्था गुरुकुल दंतेवाड़ा में जीवन का हो रहा पुनर्निर्माण

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। एक ऐसा क्षेत्र जो दशकों की हिंसा और विघटन से गुज़रा है, जवांगा का एजुकेशन सिटी में एक आवासीय स्कूल बच्चों को वयस्क बनने की राह पर एक अलग मार्ग प्रदान कर रहा है - शिक्षा, स्थिरता और एक ऐसे जीवन की संभावना के माध्यम से, जो उनके बचपन को आकार देने वाली परिस्थितियों से बहुत दूर है।

आस्था विद्या मंदिर, जिसे आस्था गुरुकुल के नाम से भी जाना जाता है, वर्तमान में कक्षा 1 से 12 तक के लगभग 1,300 छात्रों का घर है। दंतेवाड़ा जिले के जवांगा में एजुकेशन सिटी में स्थित यह आवासीय स्कूल उन समुदायों के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान बन गया है, जिन्होंने लंबे समय से चल रहे संघर्ष का खामियाजा भुगता है। अनुमान है कि इसके आधे से अधिक छात्र प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से जुड़ी हिंसा से प्रभावित हुए हैं।

यह स्कूल ऐसी हिंसा के कारण अनाथ हुए बच्चों, उन बच्चों को जिनके माता-पिता विद्रोह में शामिल थे और प्रभावित क्षेत्रों, विशेष रूप से दंतेवाड़ा और व्यापक बस्तर क्षेत्र के छात्रों को प्राथमिकता देता है।

कुछ छात्रों पर संघर्ष का प्रभाव कक्षा में प्रवेश करने से पहले ही पड़ जाता है।

प्राचार्य रवींद्र पाणिग्राही ने कहा कि स्कूल विशेष प्राथमिकता मानदंडों के तहत बच्चों को दाखिला देते समय आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर करता है। पुलिस-प्रमाण, जो यह पुष्टि करता है कि छात्र का इलाका एलडब्ल्यूई गतिविधि से प्रभावित हुआ है और किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु से संबंधित एफ्आईआर रिकॉर्ड उन दस्तावेजों में शामिल हैं, जिन पर विचार किया जाता है।

यद्यपि, इसका उद्देश्य आवास और स्कूली-शिक्षा तक पहुँच प्रदान करने से परे है। स्कूल ने एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किया है, जहां हिंसा के बीच पले-बढ़े बच्चे उबर सकें, सीख सकें और उन परिस्थितियों से परे एक भविष्य की कल्पना कर सकें जो उन्हें विरासत में मिली हैं। श्री पाणिग्राही ने कहा, जो बच्चे हिंसा से प्रभावित हुए हैं, उन्हें विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया जाता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354